राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 03 मई 2025
वर्ष 14, अंक 24, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

किसान पर टाइगर का हमला इलाके में दहशत, वन विभाग के हाथ 03

गोंडा में जानलेवा हो रहे पुल- रेलिंग के अभाव में मौत को दावत, बरसात से पहले खतरे की घड़ी....04

झटका! Zomato ने बंद की 15 मिनट वाली फूड डिलीवरी, जानिए क्या है वजह?

स्वतंत्र प्रभात

भारत की दिग्गज फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो ने अपने ग्राहकों को बड़ा झटका देते हुए अपनी महत्वाकांक्षी 15 मिनट की फूड डिलीवरी सर्विस जोमैटो क्विक और जोमैटो एवरीडे को हमेशा के लिए बंद कर दिया है। कंपनी ने यह कठोर फैसला मुनाफे की कमी और ग्राहकों को लगातार खराब अनुभव मिलने के कारण लिया है। जोमैटो के मुखिया दीपिंदर गोयल ने शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, "हम इन दोनों पहलों को बंद कर रहे हैं क्योंकि हमें इनमें लाभ कमाने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था और वह भी ग्राहकों के अनुभव से समझौता किए बिना।" उन्होंने आगे बताया कि मौजूदा रेस्टोरेंट की संख्या और किचन का ढांचा 10-15 मिनट में डिलीवरी के लिए बिल्कुल भी सही नहीं है जिसके चलते ग्राहकों को लगातार निराशा हाथ लग रही थी।

क्या थी क्विक और एवरीडे की कहानी?

जोमैटो क्विक एक ऐसी तेज-तर्रार सेवा थी जो ग्राहकों को 2 किलोमीटर के दायरे में चुने हुए रेस्टोरेंट से तैयार भोजन सिर्फ 15 मिनट में पहुंचाने का वादा करती थी। वहीं जोमैटो एवरीडे एक पायलट प्रोजेक्ट था जिसका मकसद घर जैसा बना हुआ खाना उपलब्ध कराना था जिसे खासकर मेट्रो शहरों में ऑफिस जाने वाले लोगों को ध्यान में रखकर शुरू किया गया था। हालांकि कंपनी ने जल्द ही महसूस कर लिया कि एवरीडे की मांग बहुत सीमित है और यह कुछ खास परिस्थितियों में ही उपयोगी साबित हो रही थी।

पहले भी मुंह की खा चुकी है तेज डिलीवरी

यह जोमैटो का अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी के क्षेत्र में दूसरा असफल प्रयास है। इससे पहले भी 2022 में कंपनी ने जोमैटो इंस्टेंट नाम से 10 मिनट की डिलीवरी सेवा शुरू की थी लेकिन खराब प्रदर्शन के चलते इसे जनवरी 2023 में ही बंद कर दिया गया था। जोमैटो क्विक को तो महज चार महीने पहले ही धूमधाम से लॉन्च किया गया था लेकिन यह भी ग्राहकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया।

क्यों लिया गया यह कदम?

जोमैटो के सीएफओ अक्षंत गोयल ने पहले ही संकेत दे दिए थे कि 10-15 मिनट की डिलीवरी सेवा कंपनी के मुख्य फूड डिलीवरी बिजनेस पर कोई खास असर नहीं डाल रही है। इसके अलावा इस तेजी से बढ़ते सेगमेंट में स्विगी के बोल्ट और ज़ेप्टो जैसे नए खिलाड़ियों की बढ़ती मौजूदगी ने भी जोमैटो पर दबाव बढ़ा दिया था। स्विगी का बोल्ट लॉन्च होने के महज दो महीनों में ही 5त्न फूड डिलीवरी ऑर्डर का हिस्सा बन गया और 400 से अधिक शहरों में अपनी पहुंच बना चुका है।

जोमैटो का अगला प्लान

अब जोमैटो अपनी क्विक डिलीवरी की रणनीति को मुख्य ऐप से हटाकर अपनी सहायक कंपनी ब्लिंकिट के डार्क स्टोर नेटवर्क के जरिए केंद्रित करने की योजना बना रहा है। कंपनी ने पिछले साल दिसंबर में बिस्ट्रो बाय ब्लिंकिट लॉन्च किया था जो तेज डिलीवरी पर ही फोकस करता है।

ग्राहकों पर क्या होगा असर?

इस बदलाव के बाद जोमैटो के ग्राहक अब 15 मिनट में खाना मंगवाने का विकल्प इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। हालांकि कंपनी का मुख्य फूड डिलीवरी व्यवसाय पहले की तरह सामान्य रूप से चलता रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम जोमैटो के लिए लंबे समय तक लाभप्रदता सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया एक जरूरी फैसला है।

बाजार में बढ़ती टक्कर

जोमैटो का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब 15 मिनट की फूड डिलीवरी का बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। स्विगी, ज़ेप्टो और अन्य नए खिलाड़ी इस सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करने में लगे हुए हैं। जोमैटो के इस कदम से यह सवाल भी उठता है कि क्या अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी मॉडल की चुनौतियों का सामना सिर्फ जोमैटो ही कर रहा है या अन्य कंपनियां भी भविष्य में ऐसे ही मुश्किलों का सामना करेंगी।

राज्यों के लिए केंद्र से राशन लेना और उसे मुफ्त में बांटना आसान है, लेकिन बोझ करदाताओं पर पड़ता है- सुप्रीम कोर्ट

स्वतंत्र प्रभात

खाद्य सुरक्षा पर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने कहा कि रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे का विकास भी महत्वपूर्ण है; पूछा कि क्या देश अभी भी गरीबी के उसी स्तर पर अटका हुआ है, जिस स्तर पर 2011 में था, जब पिछली जनगणना की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (30 अप्रैल, 2025) को कहा कि राज्यों के लिए केंद्र से खाद्यान्न प्राप्त करना और राजनीतिक लोकप्रियता हासिल करने के लिए इसे लोगों के बीच मुफ्त में वितरित करना "बहुत आसान" है। हालांकि, न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अंततः करदाताओं को ही गरीबों को मुफ्त राशन वितरित करने का बोझ उठाना पड़ता है। अदालत ने कहा कि रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे का निर्माण जैसी अन्य गतिविधियां भी मुफ्त राशन वितरण जितनी ही महत्वपूर्ण हैं।

न्यायालय खाद्य सुरक्षा, विशेष रूप से प्रवासी श्रमिकों के लिए, पर स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा था। यह मामला मूल रूप से कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज, हर्ष मंदर और जगदीप छोकर द्वारा दायर याचिकाओं पर आधारित था, जिनका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने किया था, जिसमें केंद्र और राज्यों को कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान संकटग्रस्त प्रवासी श्रमिकों के लिए खाद्य सुरक्षा, नकद हस्तांतरण और अन्य कल्याणकारी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति कांत ने टिप्पणी की, "अब, 2025 में, क्या हम अभी भी 'गरीबी' का टैग ढो रहे हैं? राज्य कहते हैं कि हम राशन कार्ड, मुफ्त राशन जारी करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते केंद्र इसे दे... केंद्र देगा, लेकिन किसकी कीमत पर? बोझ करदाता पर है... हम बुनियादी ढांचे, रोजगार सृजन के लिए पैसा कहां से लाएंगे... ये भी ऐसे मुद्दे हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए।"

न्यायमूर्ति कांत ने पूछा कि क्या 2025 में भी देश गरीबी के उसी स्तर पर अटका हुआ है, जिस पर 2011 में था, जब पिछली जनगणना हुई थी। श्री भूषण ने कहा कि पिछले दशक में जनसंख्या में वृद्धि के साथ ही गरीब लोगों की संख्या भी बढ़ी होगी। इससे पहले की सुनवाई में शीर्ष अदालत ने कहा था कि खाद्य सुरक्षा की समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान रोजगार पैदा करना है। श्री भूषण ने तर्क दिया था कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) अभी भी 2011 की जनगणना के आंकड़ों से प्रेरित है। उन्होंने बताया था कि ह्स्त्र के तहत 75% ग्रामीण आबादी और 50% शहरी आबादी को दो श्रेणियों के लाभार्थियों - अंत्योदय अन्न योजना परिवारों और प्राथमिकता वाले परिवारों के तहत अत्यधिक सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने का अधिकार है। हालाँकि, यह कोटा 2011 की जनगणना पर आधारित था। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने भी श्री भूषण की दलीलों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा था कि एनएफएसए के 81.35 करोड़ पात्र लाभार्थी हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे सफाईयों ने फूंका सी.एम. का पुतला

लखीमपुर खीरी समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन पर हुए हमले के विरोध में सैकड़ो की संख्या में सपाइयों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर विरोध प्रदर्शन किया। और सपा नेत्री प्रख्यात खरे के नेतृत्व में सीएम का पुतला दहन किया गया। बताते चलें समाजवादी पार्टी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर प्रशासन ने पूरी तैयारी कर रखी थी पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रहा और भारी पुलिस बल तैनात किया गया कलेक्ट्रेट एक तरह से छावनी में तब्दील दिखाई पड़ रही थी।इसके बावजूद सपाई सीएम का पुतला फुकने में सफल हो गए। सूत्र बताते हैं कुछ सफाई कलेक्ट्रेट के अंदर विरोध प्रदर्शन करते रहे तब तक कलेक्ट्रेट गेट पर सपाईयों ने फूंक दिया सी.एम का पुतला वीडियो हुआ वायरल।

बालाजी बेकरी दुकान का ब्लॉक प्रमुख ने फीता काट किया उद्घाटन

बरेली/क्यों लड़कियां में स्थित मैं मार्केट में बालाजी बेकरी की दुकान खोली गई है इसका उद्घाटन ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने पिता काट कर किया यहां पहुंचने पर ब्लॉक प्रमुख का जोरदार स्वागत किया गया इस मौके पर महामही राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की पुत्री अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की अध्यक्ष श्रुति गंगवार बाल श्रम बोर्ड के सदस्य भोजेंद्र गंगवार ठाकुर विनय सिंह प्रधान सत्येंद्र मोहन गंगवार आकाश गंगवार ओमप्रकाश गंगवार समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित थे इस दुकान के खुलने से ग्रामीणों को अब खाने पीने की वस्तुओं को लेने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

CM सचिवालय के नाम पर ठगी का जाल, BSF जवान लुटा, धमकाया गया

मुख्यमंत्री कार्यालय और सचिवालय के नाम पर बीएसएफ जवान से 10 लाख की ठगी की गई है और अब जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात

अयोध्या/बीकापुर। मुख्यमंत्री कार्यालय और सचिवालय के नाम पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर बीएसएफ के जवान से 10 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित जवान ने अब थाने में तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। जवान ने कहा है कि ठगों के झांसे में आकर न केवल उसकी जमा पूंजी लुट गई, बल्कि अब जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। पीड़ित लाल जी यादव, जो कि वर्तमान में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ में तैनात हैं, ने बताया कि 2021 में बीकापुर थाना क्षेत्र के अहिरौली निवासी नमित यादव नामक व्यक्ति से उनकी मुलाकात हुई थी। उसने खुद को उच्च राजनीतिक संपर्कों वाला बताते हुए कहा कि वह यूपी पुलिस में सब इंस्पेक्टर की भर्ती में 'जुगाड़' से नौकरी लगवा सकता है।

ठग ने अपने साथ एक अन्य व्यक्ति हरिकेश पटेल को भी मिलवाया, जिसने खुद को मुख्य सचिव का पर्सनल सेक्रेटरी बताते हुए सचिवालय का फर्जी पहचान पत्र और मुख्यमंत्री व अधिकारियों के साथ फोटो दिखाए। दोनों ने मिलकर पीड़ित से कहा कि 10 लाख रुपये में उसके भाई की नौकरी सुनिश्चित कर देंगे। विश्वास में लेकर ठगों ने लाल जी यादव से 10 लाख रुपये नकद ले लिए, जिसमें 6 लाख का उन्होंने सर्विस पर लोन लिया और बाकी रिश्तेदारों से उधार लिया। लेकिन जब परिणाम आया तो उनके भाई का चयन नहीं हुआ।

शुरुआत में बहाने बनाते रहे, बाद में जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो जान से मारने की धमकी देने लगे। 25 अप्रैल 2025 को जब

वह दोबारा हरिकेश की दुकान पर पैसे मांगने गया, तो उसे गालियां दी गईं, धमकाया गया और फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी दी गई।

लाल जी यादव ने कहा कि वह मानसिक रूप से टूट चुके हैं और इलाज करवा रहे हैं। उन्होंने आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है और जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। आज हमारे संवाददाता विपिन शुक्ला ने बीकापुर एस ओ से बात की तो दारोगा से मामले को दिखवाने की बात कर के फ़ोन काट दिए। बड़ा सवाल ये है कि मुख्यमंत्री ऑफिस के नाम पर किए गए इतने बड़े फ्रॉड पर पुलिस क्यों सुस्ती दिखा रही है?

पुलिसिया कार्रवाई पर प्रश्न चिन्ह.....?

● पुलिस बूथ के सामने हुई दिनदहाड़े कॉस्मेटिक दुकान में चोरी , सीसीटीवी में वारदात हुई कैद

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

मोहनलालगंज, लखनऊ, राजधानी लखनऊ के थाना क्षेत्र मोहनलालगंज कस्बे में बुधवार शाम उस समय हड़कंप मच गया जब एक कॉस्मेटिक की दुकान में दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई। यह वारदात मौरावां रोड स्थित काशीश्वर इंटर कॉलेज के पास रोहित कॉस्मेटिक की दुकान में शाम करीब 5ः30 बजे हुई। खास बात यह रही कि दुकान पुलिस बूथ से महज कुछ कदमों की दूरी पर स्थित है।चोरी की यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि चोर कैसे बेखौफ होकर दुकान में दाखिल हुआ और कुछ ही मिनटों में सामान समेट कर फरार हो गया। इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय व्यापारियों में इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि जब पुलिस के इतने नजदीक ऐसी वारदात हो सकती है, तो बाकी इलाकों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। व्यापारियों ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस गश्त केवल कागजों तक सीमित रह गई है और असल में सुरक्षा व्यवस्था की हालत बेहद चिंताजनक है।चोरी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना के बाद क्षेत्र के व्यापारी दहशत में हैं और उन्होंने पुलिस से इलाके में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

वन और पुलिस विभाग की सर परस्ती में लकड़कट्टे ने किया हरियाली का सफाया

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

लखीमपुर खीरी मामला वन रेंज धौरहरा तथा थाना क्षेत्र शारदा नगर के ग्राम भरतपुर का है। जहां पर दबंग ठेकेदार ने वन विभाग और पुलिस से साठगांठ कर 8 शीशम के पेड़ों को अपना निशाना बना दिया। मिली जानकारी के अनुसार वन रेंज धौरहरा सहित थाना क्षेत्र शारदा नगर के अंतर्गत भरतपुर गांव में गांव के पूर्व बगैर परमिट 8 शीशम के पेड़ काट लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। मिली जानकारी के अनुसार काटे गए आँठो शीशम के पेड़ों का परमिट नहीं था।

उक्त सारा खेल वन रेंज के अंतर्गत तैनात वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड सहित शारदा नगर पुलिस से साठगांठ करके खेला गया है। विभागीय जिम्मेदारों की सरपरस्ती में जनपद खीरी में हरियाली की सफाया का अभियान सा चल रहा है। विभागीय जिम्मेदारों की लकड़ कट्टों के साथ चल रही सेटिंग गेटिंग के चलते लकड़कट्टे बेखौफ जब और जहां चाहते हैं हरियाली का सफाया

कर डालते हैं। धौरहरा रेंज में काटे गए इन शीशम के पेड़ों की भनक वन क्षेत्र अधिकारी धौरहरा को ना होना किसी के गले नहीं उतर रहा है। यह कोई पहली घटना नहीं है जनपद में हर दिन अवैध कटान की घटनाएं अखबारी सुर्खियां बनती हैं लेकिन जिम्मेदारों की नींद टूटने का नाम ही नहीं ले रही है। अब देखना यह है कि वन क्षेत्र अधिकारी धौरहरा उपरोक्त मामले में क्या कार्यवाही करते हैं।

4 करोड़ 53 लाख से कराये जा रहे कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के निर्माण में भारी भ्रष्टाचार के आरोप

● ठेकेदार और जे.ई. की मिली भगत से पीला ईट और घटिया मसाला लगा मानकविहीन निर्माण कार्य कराए जाने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

लखीमपुर खीरी विकासखंड लखीमपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोरैया जंगल में कराए जा रहे कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में मानकों को ताक पर रखकर पीला ईट और घटिया किस्म मसाला लगा गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य कराए जाने का मामला प्रकाश में आया है। उक्त निर्माण के अंतर्गत विद्यालय निर्माण के साथ-साथ बच्चों के आवासों का भी निर्माण कार्य चल रहा है।सूत्र बताते हैं कि उक्त स्कूल में कक्षा 1 से कक्षा 12 तक बालिका शिक्षा ग्रहण करेंगी और वही रुकेगी भी, विद्यालय की छत पर कमरों का निर्माण कराया जा रहा है। उक्त आवासीय विद्यालय के निर्माण कार्य में एस्टीमेट जरूर बना होगा और उसमें प्रथम श्रेणी ईट रोडा,सीमेंट, सरिया के साथ-साथ मौरंग बालू का उपयोग किए जाने की बात सूत्रों ने बताई है।लेकिन यहां पर जे.ई और ठेकेदार की मिली भगत से मानकों को ताक पर रखकर मानक विहीन निर्माण कराकर खुद की तिजोरिया बढ़ाने में लगे देखे जा सकते हैं।शायद इन लोगों को जिला अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल की सख्ती का जरा सा भी डर नहीं है जो उनके रहते मानक विपरीत निर्माण कार्य कराया जा रहा है।उपरोक्त मानक विपरीत निर्माण से आक्रोशित ग्राम प्रधान का कहना है कि इतनी बड़ी बिल्डिंग का मानक विहीन निर्माण हो रहा है इस तरह से तो इसके चंद माह में ही छत टपकने लगेगी और इमारत गिरने लगेगी।कई जगह इसी तरह के हादसे हो चुके हैं इनका जिम्मेदार कौन होगा यदि कहीं कुछ इस तरह का हुआ हादसा तो? ग्रामीणों का आरोप है ठेकेदार मोटी कमाई के फेर में दो मंजिल पर कई कमरे पिला ईट से बनवा चुका है उक्त खेल में जे.ई.की संलिप्तता नजर आ रही है।

क्या कहते हैं ग्राम प्रधान कोरैया जंगल

ग्राम प्रधान ने बताया कि जब उक्त मामले पर ठेकेदार से कहा गया तो ठेकेदार ने कहा ईट सब जगह ऐसे ही लगती है। आपको जो करना है कर लो ठेकेदार के कार्य व्यवहार से ग्रामीणों व ग्राम प्रधान सहित जनता में जनाक्रोश व्याप्त है।

कांटे को कांटे से ही निकालना बेहतर है

पुराना सिद्धांत है कि कांटा -कांटे से निकलता है तलवार या मिजाइल से नही। करना भी वही चाहिए। सिद्धांत के विपरीत जाने में ज्यादा नुकसान की ज्यादा संभावना रहती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आज देश गुस्से में है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले। पाकिस्तान को तहस - नहस कर दे। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। सरकार भी ही चाहती है। इसके लिए उसने सेना को फ्रीहैंड दे दिया। ऐसे में देश की जनता को चाहिए कि सरकार और सेना को सोचने, समझने और तैयारी करने का अवसर दे। हमले की तैयारी फुलप्रूफ हो कि दुश्मन को ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो। हमले में अपने देश ,देश के जवानों और सेना की कम से कम क्षति हो। हमले का बदला भी ले लिया जाए। इतिहास गवाह है कि पहले भी हम अपना बहुत कम नुकसान कर दुश्मन का बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके लिए पाकिस्तान में बने आंतकियों के लांचिंग पैड दो बार तबाह ही नही किए, वहां मौजूद आंतकियों का खात्मा भी दो बार पहले हो चुका है।भारतीय सेना के कमांडो ने 28 सितंबर 2016 की रात को गुलाम कश्मीर (पीओके) में दाखिल होकर आतंकी कैंपों में सर्जिकल स्ट्राइक की। यह कार्रवाई गुलाम कश्मीर (पीओके) के चार क्षेत्र भिंबर सेक्टर, तत्तापानी सेक्टर, लिपी सेक्टर व कैल सेक्टर में एक साथ हुई। पांच घंटे चली इस कार्रवाई में इन सेक्टरों में चल रहे छह आतंकी शिविर तबाह करने के साथ करीब 45 आतंकियों को मार गिराया गया। मिशन को अंजाम देकर सभी कमांडों सुरक्षित भारतीय क्षेत्र में लौट आए। अभियान में शामिल कमांडों की हेलमेट पर लगे विशेष कैमरों व ड्रोन की मदद से पूरे ऑपरेशन को कैद भी किया गया।14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में जोरदार विस्फोट हुआ था। निशाने पर था [illegible] के 78 वाहनों का काफिला। विस्फोट में 40 जवान शहीद हो गए थे। दो सप्ताह बाद 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना के मिराज-2000 विमानों ने रात के अंधेरे में नियंत्रण रेखा यानी एसओसी पार कर पाकिस्तान के पूर्वोत्तर इलाके खैबर पख्तूनख्वाह के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैम्पों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। भारत के तत्कालीन विदेश सचिव विजय गोखले ने कहा कि इस स्ट्राइक में बड़ी संख्या में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी, उनको प्रशिक्षण देने वाले, संगठन के बड़े कमांडर और फिदायीन हमलों के लिए तैयार हो रहे जिहादियों को खत्म कर दिया गया। अगले दिन पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की। भारत ने दावा किया कि डॉग-फाइट में भारतीय वायुसेना के मिग-21 ने पाकिस्तानी वायुसेना के एफ-16 को मार गिराया। पाकिस्तान ने भी मिग-21 को मार गिराया और विंग कमांडर अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, दबाव में दो दिन बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।बदला लेने की तैयारी ऐसी ही हो ।अपना कम से कम नुकसान हो और दुश्मन का बहुत ज्यादा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर पांच तरफ से हमला बोला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा कर चुकें है कि इसका बदला लिया जाएगा। दुश्मन को माफ नही किया जाएगा। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। भारत सरकार सिंधु जल संधि, अटारी सीमा और वीजा संबंधी सेवाएं बंद करने का फैसला कर चुकी है। पूरे विश्व में पाकिस्तान का चरित्र उजागर करने में भारत का विदेश मंत्रालय लगा है। भारत दुनिया भर के देशों को इस बात के सबूत देने में लगा है कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी कबूल कर चुके हैं कि पाकिस्तान तीन दशक से आतंकवाद बढ़ाने में लगा है। एक इंटरव्यू में आसिफ ने कहा था, "हम लगभग तीन दशकों से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) और ब्रिटेन सहित पश्चिम के लिए आंतकवाद फैलाने का यह गंदा काम कर रहे हैं।"इस सबके बीच अब सरकार ने पाकिस्तान पर सोशल स्ट्राइक कर हमला बोला है। भारत में पाकिस्तान के 16 यूटयूब चैनल बंद किए जा चुकें हैं।आसिफ के एक्स अकाउंट को बैन करने का यह कदम भारत द्वारा 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाने के ठीक एक दिन बाद उठाया गया। बैन किए गए पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों का सब्सक्राइबर बेस 63 मिलियन है।ये चैनल भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री फैला रहे थे।ब्लॉक किए गए कुछ प्रमुख पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों में डॉन न्यूज, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, जियो न्यूज, समा टीवी और जीएनएन शामिल हैं।

हाल के पहलगांव में हुए इस दुर्दांत हमले के बाद से भारत की जनता में आक्रोश है। साथ ही साथ पीएम मोदी और देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां एक मंच पर आकर पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कह रही है। इस हमले के कुछ ही दिन बात पीएम मोदी ने बिहार की धरती मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के आकाओं और आतंकियों को ये खुले शब्दों में चेतावनी देती हुए कहा है, 'आतंकियों को ऐसी सज़ा मिलेगी जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी।सब बदला चाहते हैं किंतु जोश मे होश खोना ठीक नही।हमें ऐसा काम करना चाहिए कि हमारा नुकसान कम से कम हो और दुश्मन का ज्यादा से ज्यादा ।उधर भारत सरकार ने इस घटना का बदला लेने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की सेना को फ्री हैंड देने की घोषणा का मतलब है कि अब भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी। अब उसे इसके लिए किसी राजनैतिक से अनुमति की जरूरत नही होगी।

सरकार ने जहां आंतकवाद को प्रश्य देने वाले पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने के लिए सरकार सिंधु जल संधि को स्थागित करने का फैसला लिया है। ऐसे ही और निर्णय भी हो सकतें हैं पाकिस्तान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर साइबर अटैक कराए जा सकते हैं। तो पाकिस्तान के विरूद्ध खड़े आतंकवादी समूहों की इसी तरह मदद की जा सकती है जैसे पाकिस्तान भारत के विरूद्ध करता है।सिंध और बलूचिस्तान के आजादी के आंदोलन में लगे सशस्त्र समूहों की मदद करके उन्हें मजबूत किया जा सकता है। अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार पाकिस्तान से नाराज है कि उसका भी फायदा उठाया जा सकता है। हालात इस तरह के पैदा किए जा सकते है कि बिना सैनिक कार्रवाई किए पाकिस्तान को अपने घर में उलझा दिया जाए। ऐसे हालात पैदाकर दिए जाएं कि उसके विभिन्न टुकड़े हो जाएं। इस सब के बीच बड़ी खबर यह है कि आम कश्मीरी इस हमले का विरोध कर रहा है।इस हमले की कश्मीर की मशजिदों से निंदा की गई।सबने एक सुर में कहा कि पाकिस्तान को इसका जवाब दिया जाना चाहिए। पिछले कुछ साल में कश्मीर में लौटी रौनक से कश्मीर का कारोबार बहुत तेजी के साथ बढ़ा है।करीब 15 लाख टरिस्ट अब कश्मीर आने लगे हैं।22 अप्रैल की आंतकवादी घटना ने कश्मीर के इस व्यापार को बड़ा धक्का दिया है। ज्ञातव्य है कि इस हमले में 26 सैलानियों की मौत हुई है। पहलगाम में आंतकी हमले के बाद देश में गुस्सा है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। देश की जनात इस समय जोश में है किंतु जोश में हमें होश नही खोना है। हमारी कोशिश ये हो कि बिना युद्ध के पाकिस्तान से बदला ले लिया लाए।उसे विभिन्न भाग में तोड़ दिया जाए। हमला करने वाले कही भी जाकर छुप जाए इसे इस्राइल के गुप्तचर संगठन मौसाद की तर्ज पर वहीं जाकर मारा जाए।

अशोक मधुप

कनाडा की जनता ने खालिस्तानी समर्थकों को सिखाया सबक

कनाडा में हुए चुनावों के परिणामों ने साफ कर दिया कि कनाडा में रहने वाले ज्यादातर हिन्दू सिख में से कोई भी खालिस्तानी समर्थक नहीं हैं और जगमीत सिंह जैसे नेता जो खालिस्तानीयों को खुलकर समर्थन करते थे, खालिस्तान बनवाने की बात करते थे, आज न सिर्फ उनकी पार्टी बुरी तरह से चुनाव हार गई, बल्कि वह स्वयं अपनी सीट भी नहीं बचा पाए। बीते समय में देखने में आ रहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत से केवल इसलिए सम्बन्ध बिगाड़ रहे थे क्योंकि उनकी सरकार खालिस्तानी समर्थकों के रहमो-करम पर चल रही थी। सिख ब्रदर्सहुड इन्टरनैशनल के राष्ट्रीय सैकेट्री जनरल गुणजीत सिंह बख्शी का मानना है कि जगमीत सिंह ने ट्रूडो सरकार को समर्थन के बदले अपने खालिस्तानी एजेंडों को आगे बढ़ाया, मगर आज जनता ने जगमीत सिंह और उनके समर्थकों को उनकी औकात दिखा दी। जगमीत सिंह की पार्टी एनडीपी यानी न्यू डैमोक्रेटिक पार्टी की करारी हार के बाद उसका राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी छिन गया। पार्टी को नेशनल स्टेटस के लिए 12 सीटों की जरूरत थी, मगर एनडीपी मात्र 7 सीट ही जीत पाई। इससे निश्चित तौर पर कनाडा ही नहीं अन्य देशों में बैठकर भी जो लोग खालिस्तानियों को समर्थन दे रहे हैं उन्हें भी अब समझ आ जानी चाहिए कि अगर उन्होंने इनकी गतिविधियों को नहीं रोका तो आने वाले समय में वहां की जनता भी कनाडा वासियों की तरह उन्हें भी सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकती है। कनाडा में तो लोगों ने सड़कों पर जगमीत सिंह के खिलाफ पोस्टर वार भी शुरू कर दी है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि केवल खालिस्ता?नयों को समर्थन के चलते जगमीत सिंह और उनकी पार्टी का इतना बुरा हश्र हुआ है अन्यथा यह वही लोग थे जिन्होंने पिछले चुनावों में जगमीत सिंह को खुलकर समर्थन दिया था। ट्रूडो सरकार के जाते ही अब लगने लगा है कि खालिस्तानियों का जल्द ही कनाडा से बोरी बिस्तर गोल होने वाला है, क्योंकि लिबरल पार्टी के लोग कभी भी नहीं चाहेंगे कि खालिस्तानियों को पनाह देने की सजा उन्हें अगले चुनावों में भुगतनी पड़े।

गुरु ग्रन्थ साहिब के स्वरूपों को जबरन उठाना कितना सही?

गुरु ग्रन्थ साहिब को गुरु गोबिन्द सिंह जी के द्वारा जीवित गुरु का दर्जा देकर सिख समाज को उन्हें अपना गुरु मानने का आदेश दिया तभी से सिख समाज ही नहीं बल्कि वह सभी लोग भी जो इस बात को स्वीकारते हैं कि गुरु ग्रन्थ साहिब में सिख गुरु साहिबान के अलावा अनेक हिन्दू, मुस्लिम भक्तों, संत महापुरुषों की बाणी दर्ज है। गुरु नानक देव जी के पुत्र बाबा श्रीचन्द जी को मानने वाले लोग भी गुरु ग्रन्थ साहिब का पूर्ण सम्मान करते हैं।

आज भी बिहार सहित देश के अन्य शहरों में बाबा श्रीचन्द जी से सम्बिन्धित हजारों ऐसे मठ हैं जहां गुरु ग्रन्थ साहिब को सुशोभित किया हुआ है। सिन्धी समाज के लोग जो गुरु नानक देव जी को अपना गुरु मानते हैं और अपना हर कार्य गुरु ग्रन्थ साहिब जी को समर्पण होकर करते हैं। संत रविदास, संत कबीर के भी कई स्थान हैं जहां गुरु ग्रन्थ साहिब रखा हुआ है मगर पिछले कुछ समय से सिख पंथ में पनपते कट्टरवाद ने धीरे-धीरे इन सभी समाज के लोगों को गुरु साहिब से दूर करने में प्राथमिकता दिखाई है। कट्टरवादी संस्थाओं के लोग धर्म के ठेकेदार बनकर जबरन इन स्थानों पर जाकर मर्यादा में चूक की बात कर वहां से गुरु ग्रन्थ साहिब को जबरन उठाकर ले जा रहे हैं। इनमें से कई तो ऐसे हस्तलिखित स्वरूप भी रहते हैं जिन्हें लाखों, करोड़ों में बेचने की बात भी चर्चा में रहती है। बिहार सिख फैडरेशन के संरक्षक त्रिलोक सिंह निषाद का मानना है कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी ने लोगों को कर्मकाण्डों से दूर कर जिस मार्ग पर चलना सिखाया आज सिख धर्म के अपने ही लोग गुरु नानक के मिशन को तार-तार कर सभी को अपनों से दूर करने पर उतारु हैं। असल में खामियां तो इनके अपने अन्दर हैं जो आज तक सिख धर्म की मर्यादा की जानकारी ही सही ढंग से समाज के लोगों को देने में असफल रहे हैं। चाहिए तो यह कि जहां पर धर्म के ठेकेदार बने लोगों को लगे कि जिस स्थान में गुरु ग्रन्थ साहिब रखे हुए हैं वहां मर्यादा का पालन सही ढंग से नहीं हो रहा, ऐसे में अपने पास से ग्रन्थी सिंह ले जाकर वहां लगाएं जिससे पूर्ण मर्यादित तरीके से गुरु साहिब का सत्कार हो सके मगर इस प्रकार जबरन हथियारों के दम पर आकर गुरु ग्रन्थ साहिब के स्वरूपों को उठाकर ले जाना उचित नहीं है। साबत सूरत सिख नौजवान बनेगा डीसी ~सिख समाज को अक्सर शिकायत रहती है कि उनके बच्चे सिविल सर्विसिज में पिछड़ते जा रहे हैं जिसके चलते उच्च पदों पर आज पगड़ीधारी सिख देखने को नहीं मिलते अगर हैं भी तो उनमें से ज्यादातर सिखी स्वरूप में नहीं हैं। मगर इस बार 16 के करीब सिख बच्चों ने इस परीक्षा में सफल होकर समूची कौम को गौरवांवित किया है। दिल्ली के अंगद सिंह जिसका 162वां रैंक आया है वह खास तौर पर सिख युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरें हैं क्योंकि अंगद सिंह पूरी तरह से सिखी स्वरूप में हैं। अंगद सिंह को अपने दादा तारा सिंह अन्जान और नाना जगदीश सिंह वरियाम से मिली है जिन्होंने सिख समाज और खासकर मातृ भाषा पंजाबी के लिए अनेक कार्य किए हैं। अंगद सिंह ने समाज से यह वायदा किया है कि उसे जिस भी पद पर बैठने का सौभाग्य प्राप्त होगा वह सिख समाज के कार्यों को प्राथमिकता के साथ करेगा। इसी के चलते पंजाबी हैल्पलाईन के द्वारा अंगद सिंह को सम्मानित किया गया। संस्था के मुखी प्रकाश ि?संह गिल का मानना है कि सभी सिंह सभाओं और गुरुद्वारा कमेटियों को अंगद सिंह जैसे युवाओं को आगे लाने के प्रयास किये जाने चाहिए।भाई हरजिंदर सिंह जी को पद्म श्री सम्मान~ भाई हरजिंदर सिंह जी, जिन्हें सम्मानपूर्वक ÷श्री नगर वाले÷ के नाम से जाना जाता है, एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध सिख हजूरी रागी हैं जो अपनी आत्मिक और मधुर गुरबाणी, कीर्तन प्रस्तुतियों के लिए जाने जाते हैं। 1958 में जन्मे भाई साहिब ने किशोरावस्था में ही कीर्तन करना शुरू कर दिया था और अधिकतर स्वयं-शिक्षित हैं। उन्होंने शास्त्रीय और आधुनिक रागों का अद्वितीय संगम विकसित किया है। उनका जीवन मिशन सदैव यही रहा है कि शबद कीर्तन की आध्यात्मिक शक्ति से दुनियाभर के सिखों को एकजुट किया जाए। भाई हरजिन्दर सिंह को देश के राष्ट्रपति के द्वारा पद्मश्री सम्मान प्राप्त होना समूचे रागी जत्थों के लिए गर्व की बात है।

पाक को करारा सबक मिलेगा

स्वतन्त्र भारत की यह खूबी रही है कि कभी भी यह आक्रमणकारी देश नहीं रहा है और जब भी इसकी सेनाओं को रणक्षेत्र में कूदना पड़ा है तो आत्मरक्षार्थ और राष्ट्रीय सीमाओं की सलामती के लिए। जबकि इसके साथ ही स्वतन्त्र हुआ देश पाकिस्तान हमेशा आक्रमणकारी रहा है। कश्मीर की पहली जंग से लेकर कारगिल युद्ध तक पाकिस्तान ने पहले भारत पर हमला किया जिसके जवाब में भारत की सेनाओं ने सर्वदा विजय प्राप्त की। चाहे वह 1947-48 का कश्मीर युद्ध हो या 1965 का भारत-पाक रण हो अथवा 1971 की बंगलादेश लड़ाई हो। बंगलादेश युद्ध में सीधे भारतीय सेनाएं तभी कूदीं जब पाकिस्तान ने हमारे पंजाब व राजस्थान की सीमा से लगे इलाकों में अतिक्रमण किया वरना प. बंगाल की सीमा से लगे पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) का मामला सीधे-सीधे मानव अधिकारों के हनन का था क्योंकि पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर पाकिस्तान की सेना ने जुल्मो-गारत का दौर चला रखा था। भारत की विदेश नीति शुरू से ही यही रही है कि वह किसी सिद्धान्त या दर्शन का निर्यात नहीं करता है बल्कि मानता है कि किसी भी देश का शासन उस देश की जनता की इच्छा के अनुसार चलना चाहिए। किस देश में कैसी सरकार हो इसकी जिम्मेदारी वहां की जनता पर ही छोड़ी जानी चाहिए। मगर हम में से काटकर बना पाकिस्तान ऐसा किराये का मुल्क है जो कुछ बड़े देशों के इशारे पर अपनी जमीन को आतंकवादियों की सैरगाह में तब्दील करने से नहीं हिचकता। अपने वजूद में आने से लेकर अब तक पाकिस्तान की कोई स्वतन्त्र विदेश नीति नहीं रही है बल्कि भारत व हिन्दुओं से दुश्मनी इसका ईमान रहा है। पाकिस्तान भारत विरोधी जुनून में यह भी भूल बैठा है कि भारत दुनिया का ऐसा दूसरा मुल्क है जिसमें मुस्लिम आबादी सबसे बड़ी है। अतः इस्लाम के नाम पर 1947 में बने पाकिस्तान की आज हकीकत यह हो गई है कि कोई भी मुस्लिम देश उसके साथ नहीं है। इसकी मुख्य वजह यह है कि दहशतगर्द तंजीमों को सुरक्षा देने के चक्कर में पाकिस्तान के हुक्मरान यह भूल गये कि वह अब खुद दहशतगर्द मुल्क बनने के मुंहाने पर आकर बैठ गये हैं। अतः विगत 22 अप्रैल को कश्मीर के खूबसूरत व दिलकश सैलानी स्थान पहलगाम में जिस तरह पाकिस्तान से आये आतंकवादियों ने पर्यटकों का धर्म पूछ-पूछ कर उनकी हत्या की उससे पूरी दुनिया के लोग ही सकते में आ गये। कश्मीर भारत का ऐसा मनोरम इलाका है जहां दुनियाभर से पर्यटक आते हैं। इसलिए पाकिस्तान ने पहलगाम में जो बुजदिलाना काम किया है उसके खिलाफ विश्व भर के देश हैं और भारत के साथ खड़े हैं। क्या तुर्की और अफगानिस्तान की सरकारों ने पहलगाम कांड पर भारत का समर्थन ऐसे ही कर दिया है। भारत जानता है कि पहलगाम में हुआ हत्याकांड उसकी अस्मिता को चुनौती है जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। अतः प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की है कि पहलगाम हत्याकांड करने वाले आतंकवादियों को भारत ऐसी सजा देगा जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारत की इस दृढ़ इच्छाशक्ति से जाहिर है कि आतंकवादियों की आका पाकिस्तानी सरकार भीतर से हिल चुकी है और वह जंग के खौफ से दुबली होती जा रही है। श्री मोदी ने रक्षामन्त्री श्री राजनाथ सिंह व सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल सहित तीनों सेनाओं के कमांडरों व मुख्य रक्षा कमांडर की बैठक बुला कर जिस तरह आतंकवाद के विरुद्ध माकूल कदम उठाने को सेना को अधिकृत किया है उससे लगता है कि भारत अपनी संप्रभुता पर किसी भी प्रकार का हमला बर्दाश्त नहीं कर सकता है। जब 2019 में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने कश्मीर के पुलवामा में हमारे सुरक्षा बलों के 40 रणबांकुरों को शहीद किया था तो उसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान स्थित बालाकोट में सर्जिकल स्ट्राइक करके साफ कर दिया था भारत में पाकिस्तान के भीतर घुसकर उसे सबक सिखाने की कूव्वत है। इसके बाद पाकिस्तान को अपनी हैसियत समझ लेनी चाहिए थी और आतंकवादियों के प्रशिक्षण शिविरों को खत्मकर देना चाहिए था मगर इसने छह साल बाद फिर से कश्मीर के ही पहलगाम में ऐसी बर्बर कार्रवाई कर डाली जिसकी निन्दा पूरी दुनिया कर रही है और पाक के रक्षामन्त्री ख्वाजा आसिफ फरमा रहे हैं कि पाकिस्तान तो पिछले 30 सालों से भी ज्यादा वक्त से दहशतगर्दों को पाल-पोस कर बड़ा कर रहा है। आसिफ का यही बयान पाकिस्तान को आतंकवादी देश बना देता है। मगर अब सवाल यह है कि भारत सैनिक मोर्चे पर पाकिस्तान को क्या सबक सिखायेगा? इसी के लिए सेना को सीमा पर अपने हिसाब से कदम उठाने के लिए कहा गया है जिससे पाकिस्तान थर-थर कांप रहा है। मगर पहलगाम कांड की साजिश में पाकिस्तान का यह एजेंडा भी छिपा हुआ है कि भारत में हिन्दुओं को मुस्लिमों के खिलाफ भड़काया जाये। उसका यह मन्तव्य कभी पूरा नहीं हो सकता है क्योंकि भारत के मुसलमानों की राष्ट्रभक्ति पर सन्देह नहीं किया जा सकता और न ही कश्मीर मुसलमानों की देशभक्ति को सन्देह के घेरे में रखा जा सकता है। बेशक कुछ लोग हैं जो पाकिस्तान द्वारा बिछाये गये जाल में फंस जाते हैं मगर उनका इलाज भारत की जांच एजेंसियां करने में सक्षम हैं।

संपादकीय

आईना और अतीत- जब पहचान डीएनए से झाँकती है

जीन में बसी स्मृतियाँ- हमारे भीतर साँस लेता इतिहास

कभी रात की गहरी ख़ामोशी में एक अनजानी धुन आपके दिल को थाम लेती है? कोई पुरानी गंध, कोई धुंधली सी छवि, या किसी पत्थर का ठंडा स्पर्श आपको अचानक ऐसी स्मृतियों में खींच ले जाता है, जो आपकी नहीं, फिर भी आपसे जुदा नहीं। जैसे कोई अनदेखा रिश्ता, कोई सदियों पुराना बंधन आपके जीन में साँस ले रहा हो। यह कोई ख़याल नहीं, कोई संयोग नहीं — यह आपके डीएनए का वह अमर गीत है, जो हज़ारों सालों से गूंज रहा है। आपके खून में, आपके हर कोशिका में, एक ऐसा इतिहास लिखा है, जो न सिर्फ़ आपके पूर्वजों का है, बल्कि आपके होने की वजह है। तो चलिए, एक ऐसी यात्रा पर, जो न सिर्फ़ रोमांच से भरी है, बल्कि हमें हमारे वजूद की गहराइयों में ले जाती है — वहाँ, जहाँ हम सिर्फ़ इंसान नहीं, बल्कि एक जीवंत महाकाव्य हैं। हम इतिहास को किताबों की धूल भरी पन्नों में, टूटी-फूटी मूर्तियों में, या पुराने क़िलों की दीवारों पर खोजते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि सबसे सच्चा, सबसे ज़िंदा इतिहास आपके भीतर धड़क रहा है? आपके खून का हर कतरा सिर्फ़ ज़िंदगी नहीं ढोता — वह सदियों के प्रेम, संघर्ष, हँसी, और आँसुओं का ख़ज़ाना है। यह खून किसी राजा का हो सकता है, जो सोने के तख्त पर बैठकर दुनिया जीतने के सपने देखता था। यह किसी जंगल के शिकारी का हो सकता है, जो चाँदनी रात में तीर साधता था। यह किसी रेशमी साड़ी में लिपटी रानी का हो सकता है, या किसी किसान का, जिसने सूरज की तपिश में खेतों को अपने पसीने से सींचा। विज्ञान इसे "जीनोमिक इनहेरिटेंस" का नाम देता है, लेकिन यह उससे कहीं ज़्यादा है — यह एक ऐसी कहानी है, जो आपके जीन में लिखी है, और हर पल आपके ज़रिए जी रही है।

आज की जेनेटिक्स ने एक चौंकाने वाला राज़ खोला है~ हमारी भावनाएँ, हमारी आदतें, यहाँ तक कि हमारे डर भी, हमारे पूर्वजों की देन हैं। इसे एपीजेनेटिक मेमोरी कहते हैं — स्मृतियाँ, जो दिमाग में नहीं, बल्कि जीन में बसी होती हैं। शोध बताते हैं कि हमारे पुरखों ने जो दर्द, जो आघात झेले — युद्ध की त्रासदी, भुखमरी की पीड़ा, या उत्पीड़न का ज़ख़्म — वे जीन के ज़रिए हम तक पहुँचते हैं। 2018 में नेचर जर्नल में छपा एक अध्ययन कहता है कि तनाव झेलने वाले चूहों के बच्चों में बिना किसी कारण चिंता के लक्षण दिखे। इंसानों पर हुए शोध, जैसे हॉलैंड के हंगर विंटर (1944-45) के अध्ययन, बताते हैं कि भुखमरी से गुज़री माताओं के बच्चों में मधुमेह और हृदय रोगों का ख़तरा बढ़ा। लेकिन यह सिर्फ़ शरीर की बात नहीं — यह भावनाओं की विरासत है। अगर आपके परनाना ने किसी युद्ध में अपने प्रियजनों को खोया, तो उस दर्द की हल्की सी गूँज आज भी आपके भीतर कहीं ज़िंदा है। यह विचार दिल दहलाने वाला है या रोमांच से भरा? शायद दोनों। क्योंकि इसका मतलब है कि हम सिर्फ़ अपने नहीं—हम अपने भीतर अनगिनत अनजाने चेहरों की स्मृतियों का खज़ाना लिए घूमते हैं। कभी बेवजह का डर, किसी रंग या सुगंध से अनजाना लगाव, किसी आवाज़ से बेचैनी—ये सब उस गुज़रे ज़माने के चिन्ह हो सकते हैं, जो हमारे जीन में अब भी साँस लेते हैं। जब आप किसी अनजानी ज़मीन पर खड़े होकर महसूस करते हैं, "I डीएनए है, जो आपको आपके पूर्वजों की की ज़मीन से जोड़ रहा है। हम इतिहास को पुरानी किताबों और टूटी कब्रों में तलाशते हैं, मगर सबसे प्राचीन कथा तो हमारे जीन की कोशिकाओं में साँस लेती है। जब कोई बच्चा बिना सिखाए अनोखा हुनर दिखाता है, और माँ-बाप मुस्कुराते हुए कहते हैं, "ये तो दादाजी पर गया है,"— वे अनजाने में उस वंशानुगत स्मृति को आवाज़ दे रहे होते हैं। यह स्मृति सिर्फ़ गुणों की नहीं, भावनाओं की भी गवाह है। विज्ञान खुलासा करता है कि जिनके पूर्वज भुखमरी, गुलामी, या युद्ध जैसे कष्टों से गुज़रे, उनके वंशजों में बिना कारण चिंता या भविष्य की आशंका ज़्यादा देखी जाती है। यह जीन का वह गुप्त कोड है, जो सदियों पुराने दर्द को आज भी जीवित रखता है। जब कोई कहता है, "मैं अपनी जड़ों से जुड़ना चाहता हूँ," तो वह महज़ सांस्कृतिक यात्रा पर नहीं निकलता—वह अपने डीएनए की रहस्यमयी गहराइयों में गोता लगाता है। यही कारण है कि आज दुनिया भर में लोग डीएनए टेस्ट के ज़रिए अपनी उत्पत्ति का सच खोज रहे हैं। यह खोज सिर्फ़ जगहों की नहीं, हमारे वजूद की है। हम कौन हैं? यह सवाल अब केवल दार्शनिक नहीं, बल्कि विज्ञान की चौखट पर भी दस्तक देता है। अगर एक दिन आपको पता चले कि आपके जीन में किसी अनजान मुल्क, संस्कृति, या समुदाय की रहस्यमयी छाप छिपी है, तो क्या होगा? क्या आप वही रहेंगे, जो आज हैं? या शायद हमारी पहचान कोई स्थिर चित्र नहीं, बल्कि एक जीवंत नदी है—सदियों से हमें गढ़ती, मिटाती, और नए रंगों में रंगती हुई। डीएनए चुपके से खुलासा करता है कि मानव इतिहास कोई खंडित कहानियों का पुलिंदा नहीं—न जातियों का, न रंगों का, न सरहदों का। यह एक विशाल समंदर है, जिसमें हम सब एक बूँद हैं। और हर बूँद में उस अनंत समंदर का पूरा नक्शा समाया है। अगली बार जब आप आईने में खुद को देखें, तो रुकिए और सिर्फ़ अपनी आँखों को न निहारें। उनके पीछे की गहराई में झाँकें। वहाँ, शायद कोई अनजाना चेहरा आपको देखकर मुस्कुरा रहा हो — कोई ऐसा, जिससे आप कभी नहीं मिले, फिर भी जिसके कारण आप आज यहाँ साँस ले रहे हैं। हमारा शरीर भले ही क्षणभंगुर हो, लेकिन हमारे जीन में बस्ता इतिहास — वह अनंत और अमर है।

प्रो. आरके जैन

क्या भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध की घोषणा किए बिना बढ़त बना ली है?

पाक अधिकृत आतंकियों द्वारा पहलगाम में भारतीय नागरिकों—विशेष रूप से एक धर्म विशेष के श्रद्धालुओं—पर हुआ हमला, देशवासियों के लिए एक और पीड़ादायक स्मृति बन गया है। यह घटना न केवल जनमानस को शोक और आक्रोश से भरने वाली रही, बल्कि जम्मू-कश्मीर की सरकार और स्थानीय नागरिकों ने भी एक स्वर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध कड़ा प्रतिरोध प्रकट किया। भारत और विदेशों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए तथा पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग ज़ोर पकड़ने लगी।

परंतु प्रश्न यह है—क्या हम केवल भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से संतोष करते रहेंगे? क्या हर बार सीमित जवाब देकर रह जाना ही हमारी नियति बन गया है, या अब समय आ गया है कि एक दीर्घकालिक, निर्णायक रणनीति की ओर बढ़ा जाए? भारत की नीति सदैव स्पष्ट रही है—"आतंकवाद और संवाद एक साथ नहीं चल सकते"। इसी आधार पर पाकिस्तान के साथ औपचारिक वार्ताएं स्थगित कर दी गई हैं और यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया गया है कि जब तक वह अपनी धरती से आतंक के ढांचे को समाप्त नहीं करता, संबंध सामान्य नहीं हो सकते।

वर्तमान केंद्र सरकार इस पर गंभीर विमर्श में है कि पाकिस्तान को कब, कैसे और किस रूप में जवाब दिया जाए। जनाकांक्षाओं और राजनीतिक दबाव के बीच, यह चुनौतीपूर्ण है कि भावनात्मक आवेगों से हटकर संयम, संतुलन और रणनीतिक दृष्टिकोण से निर्णय लिया जाए। मेरा मानना है कि कोई भी प्रतिक्रिया तभी सार्थक होगी, जब वह राष्ट्रीय हित, वैश्विक छवि और दीर्घकालिक परिणामों को केंद्र में रखकर दी जाए। भारत की वैश्विक छवि एक शांतिप्रिय लेकिन सामर्थ्यवान राष्ट्र की है—परमाणु संपन्न, किंतु उत्तरदायी लोकतंत्र के रूप में। इस छवि को अक्षुण्ण रखते हुए हमें अपने रणनीतिक विकल्पों को सशक्त बनाना होगा।

वर्तमान में भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय 'रणनीतिक दबाव' की नीति अपनाई है, जो अधिक प्रभावी सिद्ध हो रही है। सिंधु जल संधि की पुनर्समीक्षा, वायु व जलमार्गों पर प्रतिबंध, द्विपक्षीय व्यापार का पूर्ण बहिष्कार, पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में बनाए रखने की कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद को लेकर उसकी छवि का पर्दाफाश और आर्थिक साझेदारियों में व्यवधान जैसे कदम—इन सभी ने पाकिस्तान को भीतर से अस्थिर कर दिया है। भारत ने अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन कर पाकिस्तानी सेना को बिना युद्ध किए ही परास्त कर दिया है, तभी तो पाकिस्तान सेना के अधिकारियों और सैनिकों में सेना छोड़ने की होड़ लगी हुई है और आतंकी आकाओं के बिल में दुबकने की।

इसके साथ ही पाकिस्तान स्वयं भी आंतरिक विघटन की स्थिति में पहुंच चुका है। बलूचिस्तान, सिंध, खैबर-पख्तूनख्वा और पाक-अधिकृत कश्मीर में लंबे समय से चल रहे स्वतंत्रता आंदोलनों ने अब तीव्र गति पकड़ ली है। बलूच राष्ट्रवादी पूर्ण स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं, सिंधी सिंधुदेश'और पख्तून पख्तूनिस्तान'की स्थापना चाहते हैं। पाक-अधिकृत कश्मीर में भी जनता अब पाकिस्तानी शासन के विरुद्ध मुखर हो रही है। पाकिस्तान के अंदर से ही ऐसी आवाज उठ रही है कि पाकिस्तानी सेना भारत से युद्ध करने की स्थिति में नहीं,न तो मोराल के आधार पर और न ही हथियारों की मारक क्षमता के आधार पर। ऐसे समय में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया यह वक्तव्य—"भारत पहलगाम आतंकी घटना का ऐसा बदला लेगा जिसकी पाकिस्तान ने कल्पना भी नहीं की होगी"—पाकिस्तान को दोतरफा संकट में डाल देता है। एक ओर यदि वह भारत से संघर्ष करता है, तो उसके भीतर चल रहे आंदोलनों की तीव्रता और अनियंत्रण बढ़ सकता है; और दूसरी ओर, यदि वह इन आंदोलनों को दमनात्मक तरीके से नियंत्रित करता है, तो उसकी सीमाएं असुरक्षित हो जाती हैं। इसलिए भारत की ओर से जारी रणनीतिक दबाव पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है—बिना किसी पारंपरिक युद्ध की घोषणा किए ही। पाकिस्तान के लिए अब एकमात्र विकल्प यही है कि वह आतंकवाद का स्थायी रूप से परित्याग करे और भारत पर हमलों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को भारत सौंपे। अन्यथा यह संकट न केवल पाकिस्तानी सेना और सरकार के लिए, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी घातक सिद्ध हो सकता है। क्योंकि जब गेहूं पिसता है, तो घुन भी साथ पिसता है।

पाकिस्तानी आम जनता को भी यह समझने की आवश्यकता है कि उसका भविष्य आतंकवाद में नहीं, विकास और शांति में निहित है। उन्हें अपने शासकों पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंकवाद का समर्थन त्यागें, भारत में आंतकी घटनाओं के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को बिना शर्त भारत को सौंपें और स्थायित्व तथा समृद्धि की ओर कदम बढ़ाएं। भारत के लिए यह समय संयम और रणनीतिक बढ़त को निर्णायक रूप देने का है। पाकिस्तान की आंतरिक परिस्थितियां, वैश्विक समर्थन और सैन्य संतुलन हमारे पक्ष में हैं। हमें इनका उपयोग सोच-समझकर करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक अभियान को आगे बढ़ाना चाहिए।यह तो निश्चित है कि आतंकवाद परास्त होगा और अंत में जीत भारत की होगी।

डॉ मनमोहन प्रकाश

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

संविदा कर्मचारियों सिटी पावर हाउस नंबर 3 उपकेंद्र ने आज अधिशाषी अभियंता को लिखित पत्र दिया

सीतापुर। आज दिनांक 30/4/2025 दिन बुधवार को अधिशाषी अभियंता को लिखित रूप से पत्र दिया गया संविदाकर्मियों का कहना है की सूत्रों द्वारा ज्ञात हुआ है की जो संविदा पर है उनको हटाया जाएगा ऐसे में हम लोगों को हटाया जाएगा तो सभी लोग संविदा कर्मियों काम से बहिष्कार कर देंगे जिससे बिजली सप्लाई में दिक्कत आएगी वह गर्मी अधिक होने के कारण ट्रांसफार्मर व आग लगने व तार जलने जलने का डर बना रहेगा सप्लाई में दिक्कत आएगी अगर ऐसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी अधिशाषी अभियंता की होंगी जिला अध्यक्ष सुखविंदर सिंह ने कहां है अगर एक भी संविदा कर्मियों को निलंबित किया गया तो सभी जिलों के संविदा कर्मियों काम से बहिष्कार कर देंगे

लखीमपुर जा रही बारातियों की बोलेरो पलटी, सीतापुर में हादसा 5 लोग घायल एक को जिला अस्पताल किया रेफर

सीतापुर लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ बेहड़ा कोदहरा गांव से लखीमपुर जनपद के ओएल जा रही बारात की बोलेरो गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बोलेरो में सवार 5 लोग घायल हो गए घायलों में 19 वर्षीय सरवन पुत्र राम जीवन, 19 वर्षीय सुकरीत पुत्र कमलेश, 40 वर्षीय संतोष पुत्र दूबर और 60 वर्षीय शंकर पुत्र मैकू शामिल हैं सभी बेहड़ा कोदहरा गांव के रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस को सूचना दी मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने सभी घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया वहां सभी का इलाज चल रहा है 60 वर्षीय शंकर की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है!!

निगोहां में युवती को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, मामला दर्ज..

मोहनलालगंज। लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र के मीरानपुर गांव की एक 19 वर्षीय युवती को बहला-फुसलाकर भगाने का मामला सामने आया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, निगोहा थाना क्षेत्र निवासी रामसागर ने निगोहां थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी पुत्री को गांव के ही युवक शुभम पुत्र लक्ष्मी नारायण द्वारा बहला-फुसलाकर कहीं ले जाया गया है। परिजनों के अनुसार, युवती अचानक घर से गायब हो गई, जिसके बाद आसपास और रिश्तेदारों में खोजबीन की गई लेकिन कोई पता नहीं चला।शिकायत के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में दर्ज कर लिया है।निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी का कहना है कि आरोपित युवक की तलाश की जा रही है और युवती की सकुशल वापसी के प्रयास तेज़ कर दिए गए हैं।

कोथावां कस्बे में चोरी घटना को अंजाम देने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

बेनीगंज/हरदोई- दो दिन पूर्व कोथावां कस्बे में किसान एग्री सेंटर दुकान को चोरों ने चोरी कर अंजाम दिया था। पुलिस की सक्रियता के चलते चोरी को अंजाम देने वाला एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। बता दे 28 अप्रैल की रात कोथावां निवासी रोशन शुक्ला की किसान एग्री सेंटर दुकान का शटर तोड़कर अज्ञात चोर काउंटर में रखे 5000 रूपए चोरी कर वारदात को अंजाम दिया था। इस संबंध में क्षेत्रीय पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी थी। मुखबिर की सूचना पर चोरी को अंजाम देने वाला एक अभियुक्त विकास उर्फ गोलू पुत्र शिवकुमार निवासी ग्राम नगवां थाना बेनीगंज को पुलिस ने गिरफ्तार कर चोरी की घटना में प्रयोग की गई एक अदद लोहे की राड़, एक अदद समसी लोहे की व 3000 रूपए नगद बरामद कर अभियुक्त को न्यायालय भेजा है। मामले पर कोतवाली प्रभारी कृष्ण बली सिंह ने बताया है अपराध नियंत्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत चोरी घटना का खुलासा करने के लिए थाने की ओर से टीम गठित की गई थी।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अखिलेश श्रीवास्तव सुत राज बहादुर श्रीवास्तव निवासी ग्राम मुरैनी परगना अल्देमऊ तहसील जयसिंहपुर जनपद सुलतानपुर आज दिनांक 2 म ई 2025 से अपने बड़े पुत्र नीलेश श्रीवास्तव को उनके गलत चाल चलन व अमानवीय व्यवहार के कारण अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं । आज से उनके द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कृत्य से मेरा कोई लेना देना नहीं होगा। और मेरी व मेरी पत्नी किरन की संपत्ति में उसका अधिकार आज से भविष्य में कभी किसी भी प्रकार से नहीं होगा।

स्कूल जा रहे छात्र को बस ने रौंदा हुई मौत घर में मचा कोहराम, गुस्साई भीड़ ने तोड़ी बस, सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में बेकाबू बस ने स्कूल जा रहे 10 साल के छात्र को रौंद दिया उसकी मौके पर मौत हो गई। गुरुवार सुबह 8 बजे छात्र और उसकी चचेरी बहन अलग-अलग साइकिलों से स्कूल जा रहे थे तभी पीछे से तेज रफ्तार स्कूली बस आ गई बस ने भाई-बहन की साइकिलों को टक्कर मार दी बहन छिटककर दूर गिरी लेकिन छात्र बस के पहिए के नीचे आ गया घटना के बाद ड्राइवर बस छोड़कर फरार हो गया स्कूल के टीचर्स, छात्र और परिजन मौके पर पहुंच गए। गुस्साई भीड़ ने बस पर पथराव कर दिया और डंडों से मारकर बस के शीशे तोड़ दिए इसके बाद सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची किसी तरह परिजनों को समझाकर साढ़े तीन घंटे बाद जाम खुलवाया गया परिजनों की मांग है कि आरोपी ड्राइवर को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए?। घटना जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर महमूदाबाद कस्बे में हुई महमूदाबाद थाना क्षेत्र के कंजाबारी निवासी सुधीर कुमार का बेटा शौर्य इकलौता बेटा था वह सरदार सिंह कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ता था पिता के मुताबिक, सुबह साढ़े 7 बजे बेटा घर से स्कूल के लिए निकला था उसकी चचेरी बहन भी साथ थी 8 बजे हमें सूचना मिली कि स्कूल से 200 मीटर पहले बस ने बेटे को रौंद दिया उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

टक्कर से छात्र पहिए के नीचे आया बस गुजर गई प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि छात्र और उसकी बहन साइकिल से स्कूल जा रहे थे तभी पीछे से आशुतोष बृज मोहन लाल इंटर कॉलेज की बस आई बस ने छात्र और उसकी बहन को टक्कर मार दी बहन छिटककर 10 मीटर दूर गिरी छात्र बस के पहिए के नीचे आ गया और बस गुजर गई चीख-पुकार सुनकर हम लोग दौड़कर पहुंचे देखा तो छात्र की मौत हो चुकी थी इसके बाद पुलिस और घरवालों को सूचना दी गई उधर, हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और स्कूली छात्र इकट्ठा हो गए। गुस्साए ग्रामीणों और छात्रों ने हंगामा कर दिया महमूदाबाद-लखनऊ मार्ग जाम कर धरने पर बैठ गए स्कूल प्रबंधन और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी इस दौरान गुस्साए लोगों ने बस तोड़ दी हंगामे की सूचना पर महमूदाबाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया इस दौरान महमूदाबाद-लखनऊ मार्ग पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया पुलिस का कहना है कि फरार बस चालक जल्द गिरफ्तार किया जाएगा घटना की जांच की जा रही है छात्र के चचेरे भाई आलोक वर्मा ने आरोप लगाया- सीता इंटर कॉलेज की बस ने मेरे भाई को कुचल दिया हादसा स्कूल से कुछ ही दूरी पर हुआ लेकिन छोटे भाई के स्कूल के प्रबंधक रमेश बाजपेई मौके पर नहीं पहुंचे न ही जिस स्कूल की बस थी उसका कोई प्रतिनिधि आया स्कूल प्रबंधक रमेश बाजपेई ने सब कुछ मैनेज कर लिया है हमें इंसाफ चाहिए!!

पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट, पति ने फांसी लगाकर समाप्त की जीवन लीला, एक साल की मासूम बच्ची हुई अनाथ

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर के रेउसा थाना क्षेत्र अंतर्गत बंभिया गांव में गुरुवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई यहां मामूली कहासुनी के बाद पति ने पहले पत्नी की पिटाई कर उसकी रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी फिर कमरे में खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली इस दर्दनाक हादसे में एक साल की मासूम बच्ची अनाथ हो गई है। घटना की जानकारी के अनुसार मृतक दंपत्ति की पहचान पति विज्ञान और पत्नी गौरी के रूप में हुई है दोनों की शादी दो साल पहले हुई थी परिजनों के अनुसार बुधवार देर रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले गई गुस्से में आकर पति विज्ञान ने पहले गौरी की बुरी तरह पिटाई की और फिर रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी इसके बाद उसने कमरे में जाकर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली सुबह जब परिजनों ने छत पर गौरी का शव और कमरे में विज्ञान को फंदे से लटका देखा तो उनके होश उड़ गए। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंचे रेउसा थानाध्यक्ष हनुमंत लाल तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है परिजनों का कहना है कि दोनों के बीच अक्सर छोटे-मोटे विवाद होते रहते थे लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि बात इतनी आगे बढ़ जाएगी। घटना से गांव में शोक की लहर है और सबसे ज्यादा चिंता उस मासूम बच्ची की है जिसके सिर से माता-पिता दोनों का साया एक ही रात में उठ गया दोनों की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है!!

किसान पर टाइगर का हमला इलाके में दहशत, वन विभाग के हाथ

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम निबौरी में गुरुवार सुबह एक किसान पर जंगली जानवर ने हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया घायल किसान की पहचान राम शरण वर्मा के रूप में हुई है। जिन्हें आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया घटना के बाद गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। वारदात के समय किसान खेतों में गन्ना गुड़ाई का काम कर रहा था ग्रामीणों का कहना है कि किसान पर हमला करने वाला जानवर बाघ था जबकि वन विभाग अभी पगचिन्ह की जांच कर रहा है इससे पहले भी क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 23 अप्रैल को एक अन्य किसान पर भी जंगली जानवर ने हमला किया था और 28 अप्रैल को खेतों में एक महिला ने जंगली जानवर को देखे जाने की पुष्टि की थी इसके बावजूद वन विभाग की ओर से सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। वन विभाग द्वारा पूर्व में पगचिन्हों के आधार पर तेंदुआ होने की तस्दीक की गई थी लेकिन ग्रामीण बाघ होने का दावा कर रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रही घटनाओं से गांव के लोग खेतों में जाने से डर रहे हैं फसल की कटाई और सिंचाई जैसे जरूरी कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं हमले के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पगचिन्हों की दोबारा जांच शुरू की गई है हालांकि अब तक किसी जंगली जानवर को पकड़ा नहीं गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरे लगाने और निगरानी बढ़ाने की मांग की है!!

कार्यालय ग्राम पंचायत पुरैना वाजिद विकासखंड श्री दत्तगंज जनपद बलरामपुर

निविदा/सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की पंचम वित्त आयोग/स्वच्छ भारत अभियान पेज 2 व 15वां वित निर्माण कार्य नाली /खड़ंजा निर्माण/खड़ंजा मरम्मत/पंचायत भवन निर्माण/सामुदायिक शौचालय आयोग/मनरेगा/एस0एल0डब्ल्यू0एम0 आदि योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-2026 मैं कराए जाने वाले निर्माण/आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण मरम्मत/ इंडिया मार्का 2 हैंडपंप मरम्मत व रिबोर/स्कूल शौचालय मरम्मत/ स्ट्रीट लाइट इंटरलॉकिंग रोड निर्माण सीसी रोड निर्माण ,सी एस सी सेंटर निर्माण कार्य मनरेगा योजना अन्तर्गत फूल व बांस की खेती ऐनम सेंटर रंगाई पुताई व मरम्मत कार्य खाद्य एवं रसद गोदाम निर्माण कार्य आर आर सी सेंटर, सोख्ता गड्ढा सीट चेमबर खाद गड्ढा खेल मैदान ,सोलर लाइट ह्यूमपाइप/पंचायत कार्यालय सामग्री कायाकल्प संबंधित कार्य/रजिस्टर्ड फर्म एजेंसी से सामग्री क्रय हेतु प्रथम श्रेणी ईट इंटर लाकिंग ईट मिट्टी क्रय पत्थर गिट्टी, बालू,मोरंग ह्यूम पाइप प्राइमर, पेंट ,शौचालय लोहे का दरवाजा इंडियामार्का हैंडपंप मरम्मत व रिबोर एवं मोरंग/ सीरिया /सीमेंट इंटरलॉकिंग/ टाइल्स विभिन्न माप की ह्यूम पाईप मनरेगा योजना के तहत पशु शेड, सोख्ता गड्ढा निर्माण गौशाला में गौ वंश को खिलाने हेतु भूसा दाना चुनी चोकर वा भंडारण हेतु कक्ष निर्माण आदि से संबंधित सामाग्री आदि क्रय हेतु सामाग्री की सील बन्द निविदा दिनांक 04-05-2025 से दिनांक 06-05-2025 तक डाला जाएगा जो तत्पश्चात दिनांक 08-05-2025 को ग्राम पंचायत कार्यलय पर अपराह्न 11बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। उक्त सभी आपूर्ति की जाने वाली सामाग्री वर्ष 2025/26तक मान्य होगी। वर्तमान समय मे उत्तर प्रदेश लोकनिर्माण विभाग विशिस्तियों के अनुसार परिमंडल गोण्डा द्वारा निर्धारित दरों के सापेक्ष की जायेगी। शेष नियम व शर्ते किसी भी समय ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

नियम व शर्ते -1- जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम हो उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा यदि आपूर्तिकर्ता द्वारा निर्धारित समय सीमा पर आपूर्ति नहीं किया जाता है तो ऐसी दसा में ग्राम पंचायत आपके आदेश निरस्त करते हुए वरीयता कम मे अन्य फर्मो को आपूर्ति आदेश देने के लिए स्वतन्त्र होगी।

2- फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो आयेकर देता हो की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है। विगत तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेंस संलग्न करना अनिवार्य है।

3- ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजूदगी में निविदा खेला जाएगा।

4- सामाग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकिर्त दरों से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।

5- जो दरें प्रस्तुत की जायें वह दरें जीएसटी तथा धुलाई,चढ़ाई, उतरवाई तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए।

6- सामाग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेगी।

7- प्रस्तुति दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक होनी चाहिए।

8- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीक/अवराभियांत द्वारा सामाग्री की गुणवत्ता की परमाणित होने तथा मापन के उपरांत ही किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा। टेंडर की प्रक्रिया निरस्त/अस्थगित करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

प्रधान **शाहिना बेगम** — **सचिव** **विजय कुमार सोनकर**

कार्यालय ग्राम पंचायत बायभीट विकासखंड श्री दत्तगंज जनपद बलरामपुर

निविदा/सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की पंचम वित्त आयोग/स्वच्छ भारत अभियान पेज 2 व 15वां वित निर्माण कार्य नाली /खड़ंजा निर्माण/खड़ंजा मरम्मत/पंचायत भवन निर्माण/सामुदायिक शौचालय आयोग/मनरेगा/एस0एल0डब्ल्यू0एम0 आदि योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-2026 मैं कराए जाने वाले निर्माण/आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण मरम्मत/ इंडिया मार्का 2 हैंडपंप मरम्मत व रिबोर/स्कूल शौचालय मरम्मत/ स्ट्रीट लाइट इंटरलॉकिंग रोड निर्माण सीसी रोड निर्माण ,सी एस सी सेंटर निर्माण कार्य मनरेगा योजना अन्तर्गत फूल व बांस की खेती ऐनम सेंटर रंगाई पुताई व मरम्मत कार्य खाद्य एवं रसद गोदाम निर्माण कार्य आर आर सी सेंटर, सोख्ता गड्ढा सीट चेमबर खाद गड्ढा खेल मैदान ,सोलर लाइट ह्यूमपाइप/पंचायत कार्यालय सामग्री कायाकल्प संबंधित कार्य/रजिस्टर्ड फर्म एजेंसी से सामग्री क्रय हेतु प्रथम श्रेणी ईट इंटर लाकिंग ईट मिट्टी क्रय पत्थर गिट्टी, बालू,मोरंग ह्यूम पाइप प्राइमर, पेंट ,शौचालय लोहे का दरवाजा इंडियामार्का हैंडपंप मरम्मत व रिबोर एवं मोरंग/ सीरिया /सीमेंट इंटरलॉकिंग/ टाइल्स विभिन्न माप की ह्यूम पाईप मनरेगा योजना के तहत पशु शेड, सोख्ता गड्ढा निर्माण गौशाला में गौ वंश को खिलाने हेतु भूसा दाना चुनी चोकर वा भंडारण हेतु कक्ष निर्माण आदि से संबंधित सामाग्री आदि क्रय हेतु सामाग्री की सील बन्द निविदा दिनांक 04-05-2025 से दिनांक 06-05-2025 तक डाला जाएगा जो तत्पश्चात दिनांक 08-05-2025 को ग्राम पंचायत कार्यलय पर अपराह्न 11बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। उक्त सभी आपूर्ति की जाने वाली सामाग्री वर्ष 2025/26तक मान्य होगी। वर्तमान समय मे उत्तर प्रदेश लोकनिर्माण विभाग विशिस्तियों के अनुसार परिमंडल गोण्डा द्वारा निर्धारित दरों के सापेक्ष की जायेगी। शेष नियम व शर्ते किसी भी समय ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

नियम व शर्ते -1- जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम हो उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा यदि आपूर्तिकर्ता द्वारा निर्धारित समय सीमा पर आपूर्ति नहीं किया जाता है तो ऐसी दसा में ग्राम पंचायत आपके आदेश निरस्त करते हुए वरीयता कम मे अन्य फर्मो को आपूर्ति आदेश देने के लिए स्वतन्त्र होगी।

2- फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो आयेकर देता हो की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है। विगत तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेंस संलग्न करना अनिवार्य है।

3- ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजूदगी में निविदा खेला जाएगा।

4- सामाग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकिर्त दरों से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।

5- जो दरें प्रस्तुत की जायें वह दरें जीएसटी तथा धुलाई,चढ़ाई, उतरवाई तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए।

6- सामाग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेगी।

7- प्रस्तुति दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक होनी चाहिए।

8- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीक/अवराभियांत द्वारा सामाग्री की गुणवत्ता की परमाणित होने तथा मापन के उपरांत ही किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा। टेंडर की प्रक्रिया निरस्त/अस्थगित करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

प्रधान **गुरुपाल सिंह** — **सचिव** **कविता शुक्ला**

कार्यालय ग्राम पंचायत त्रिलोकपुर विकासखंड श्री दत्तगंज जनपद बलरामपुर

निविदा/सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की पंचम वित्त आयोग/स्वच्छ भारत अभियान पेज 2 व 15वां वित निर्माण कार्य नाली /खड़ंजा निर्माण/खड़ंजा मरम्मत/पंचायत भवन निर्माण/सामुदायिक शौचालय आयोग/मनरेगा/एस0एल0डब्ल्यू0एम0 आदि योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-2026 मैं कराए जाने वाले निर्माण/आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण मरम्मत/ इंडिया मार्का 2 हैंडपंप मरम्मत व रिबोर/स्कूल शौचालय मरम्मत/ स्ट्रीट लाइट इंटरलॉकिंग रोड निर्माण सीसी रोड निर्माण ,सी एस सी सेंटर निर्माण कार्य मनरेगा योजना अन्तर्गत फूल व बांस की खेती ऐनम सेंटर रंगाई पुताई व मरम्मत कार्य खाद्य एवं रसद गोदाम निर्माण कार्य आर आर सी सेंटर, सोख्ता गड्ढा सीट चेमबर खाद गड्ढा खेल मैदान ,सोलर लाइट ह्यूमपाइप/पंचायत कार्यालय सामग्री कायाकल्प संबंधित कार्य/रजिस्टर्ड फर्म एजेंसी से सामग्री क्रय हेतु प्रथम श्रेणी ईट इंटर लाकिंग ईट मिट्टी क्रय पत्थर गिट्टी, बालू,मोरंग ह्यूम पाइप प्राइमर, पेंट ,शौचालय लोहे का दरवाजा इंडियामार्का हैंडपंप मरम्मत व रिबोर एवं मोरंग/ सीरिया /सीमेंट इंटरलॉकिंग/ टाइल्स विभिन्न माप की ह्यूम पाईप मनरेगा योजना के तहत पशु शेड, सोख्ता गड्ढा निर्माण गौशाला में गौ वंश को खिलाने हेतु भूसा दाना चुनी चोकर वा भंडारण हेतु कक्ष निर्माण आदि से संबंधित सामाग्री आदि क्रय हेतु सामाग्री की सील बन्द निविदा दिनांक 04-05-2025 से दिनांक 06-05-2025 तक डाला जाएगा जो तत्पश्चात दिनांक 08-05-2025 को ग्राम पंचायत कार्यलय पर अपराह्न 11बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। उक्त सभी आपूर्ति की जाने वाली सामाग्री वर्ष 2025/26तक मान्य होगी। वर्तमान समय मे उत्तर प्रदेश लोकनिर्माण विभाग विशिस्तियों के अनुसार परिमंडल गोण्डा द्वारा निर्धारित दरों के सापेक्ष की जायेगी। शेष नियम व शर्ते किसी भी समय ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

नियम व शर्ते -1- जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम हो उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा यदि आपूर्तिकर्ता द्वारा निर्धारित समय सीमा पर आपूर्ति नहीं किया जाता है तो ऐसी दसा में ग्राम पंचायत आपके आदेश निरस्त करते हुए वरीयता कम मे अन्य फर्मो को आपूर्ति आदेश देने के लिए स्वतन्त्र होगी।

2- फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो आयेकर देता हो की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है। विगत तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेंस संलग्न करना अनिवार्य है।

3- ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजूदगी में निविदा खेला जाएगा।

4- सामाग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकिर्त दरों से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।

5- जो दरें प्रस्तुत की जायें वह दरें जीएसटी तथा धुलाई,चढ़ाई, उतरवाई तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए।

6- सामाग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेगी।

7- प्रस्तुति दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक होनी चाहिए।

8- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीक/अवराभियांत द्वारा सामाग्री की गुणवत्ता की परमाणित होने तथा मापन के उपरांत ही किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा। टेंडर की प्रक्रिया निरस्त/अस्थगित करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

प्रधान **दिनेश कुमार वर्मा** — **सचिव** **छट्ठीराम यादव**

कार्यालय ग्राम पंचायत रामपुर बगनहा विकासखंड श्री दत्तगंज जनपद बलरामपुर

निविदा/सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की पंचम वित्त आयोग/स्वच्छ भारत अभियान पेज 2 व 15वां वित निर्माण कार्य नाली /खड़ंजा निर्माण/खड़ंजा मरम्मत/पंचायत भवन निर्माण/सामुदायिक शौचालय आयोग/मनरेगा/एस0एल0डब्ल्यू0एम0 आदि योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-2026 मैं कराए जाने वाले निर्माण/आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण मरम्मत/ इंडिया मार्का 2 हैंडपंप मरम्मत व रिबोर/स्कूल शौचालय मरम्मत/ स्ट्रीट लाइट इंटरलॉकिंग रोड निर्माण सीसी रोड निर्माण ,सी एस सी सेंटर निर्माण कार्य मनरेगा योजना अन्तर्गत फूल व बांस की खेती ऐनम सेंटर रंगाई पुताई व मरम्मत कार्य खाद्य एवं रसद गोदाम निर्माण कार्य आर आर सी सेंटर, सोख्ता गड्ढा सीट चेमबर खाद गड्ढा खेल मैदान ,सोलर लाइट ह्यूमपाइप/पंचायत कार्यालय सामग्री कायाकल्प संबंधित कार्य/रजिस्टर्ड फर्म एजेंसी से सामग्री क्रय हेतु प्रथम श्रेणी ईट इंटर लाकिंग ईट मिट्टी क्रय पत्थर गिट्टी, बालू,मोरंग ह्यूम पाइप प्राइमर, पेंट ,शौचालय लोहे का दरवाजा इंडियामार्का हैंडपंप मरम्मत व रिबोर एवं मोरंग/ सीरिया /सीमेंट इंटरलॉकिंग/ टाइल्स विभिन्न माप की ह्यूम पाईप मनरेगा योजना के तहत पशु शेड, सोख्ता गड्ढा निर्माण गौशाला में गौ वंश को खिलाने हेतु भूसा दाना चुनी चोकर वा भंडारण हेतु कक्ष निर्माण आदि से संबंधित सामाग्री आदि क्रय हेतु सामाग्री की सील बन्द निविदा दिनांक 04-05-2025 से दिनांक 06-05-2025 तक डाला जाएगा जो तत्पश्चात दिनांक 08-05-2025 को ग्राम पंचायत कार्यलय पर अपराह्न 11बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। उक्त सभी आपूर्ति की जाने वाली सामाग्री वर्ष 2025/26तक मान्य होगी। वर्तमान समय मे उत्तर प्रदेश लोकनिर्माण विभाग विशिस्तियों के अनुसार परिमंडल गोण्डा द्वारा निर्धारित दरों के सापेक्ष की जायेगी। शेष नियम व शर्ते किसी भी समय ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

नियम व शर्ते -1- जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम हो उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा यदि आपूर्तिकर्ता द्वारा निर्धारित समय सीमा पर आपूर्ति नहीं किया जाता है तो ऐसी दसा में ग्राम पंचायत आपके आदेश निरस्त करते हुए वरीयता कम मे अन्य फर्मो को आपूर्ति आदेश देने के लिए स्वतन्त्र होगी।

2- फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो आयेकर देता हो की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है। विगत तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेंस संलग्न करना अनिवार्य है।

3- ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजूदगी में निविदा खेला जाएगा।

4- सामाग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकिर्त दरों से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।

5- जो दरें प्रस्तुत की जायें वह दरें जीएसटी तथा धुलाई,चढ़ाई, उतरवाई तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए।

6- सामाग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेगी।

7- प्रस्तुति दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक होनी चाहिए।

8- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीक/अवराभियांत द्वारा सामाग्री की गुणवत्ता की परमाणित होने तथा मापन के उपरांत ही किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा। टेंडर की प्रक्रिया निरस्त/अस्थगित करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

प्रधान **बहरैची** — **सचिव** **छट्ठीराम यादव**

कार्यालय ग्राम पंचायत कोल्हुई बिनौनी विकासखंड श्री दत्तगंज जनपद बलरामपुर

निविदा/सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की पंचम वित्त आयोग/स्वच्छ भारत अभियान पेज 2 व 15वां वित निर्माण कार्य नाली /खड़ंजा निर्माण/खड़ंजा मरम्मत/पंचायत भवन निर्माण/सामुदायिक शौचालय आयोग/मनरेगा/एस0एल0डब्ल्यू0एम0 आदि योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-2026 मैं कराए जाने वाले निर्माण/आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण मरम्मत/ इंडिया मार्का 2 हैंडपंप मरम्मत व रिबोर/स्कूल शौचालय मरम्मत/ स्ट्रीट लाइट इंटरलॉकिंग रोड निर्माण सीसी रोड निर्माण ,सी एस सी सेंटर निर्माण कार्य मनरेगा योजना अन्तर्गत फूल व बांस की खेती ऐनम सेंटर रंगाई पुताई व मरम्मत कार्य खाद्य एवं रसद गोदाम निर्माण कार्य आर आर सी सेंटर, सोख्ता गड्ढा सीट चेमबर खाद गड्ढा खेल मैदान ,सोलर लाइट ह्यूमपाइप/पंचायत कार्यालय सामग्री कायाकल्प संबंधित कार्य/रजिस्टर्ड फर्म एजेंसी से सामग्री क्रय हेतु प्रथम श्रेणी ईट इंटर लाकिंग ईट मिट्टी क्रय पत्थर गिट्टी, बालू,मोरंग ह्यूम पाइप प्राइमर, पेंट ,शौचालय लोहे का दरवाजा इंडियामार्का हैंडपंप मरम्मत व रिबोर एवं मोरंग/ सीरिया /सीमेंट इंटरलॉकिंग/ टाइल्स विभिन्न माप की ह्यूम पाईप मनरेगा योजना के तहत पशु शेड, सोख्ता गड्ढा निर्माण गौशाला में गौ वंश को खिलाने हेतु भूसा दाना चुनी चोकर वा भंडारण हेतु कक्ष निर्माण आदि से संबंधित सामाग्री आदि क्रय हेतु सामाग्री की सील बन्द निविदा दिनांक 04-05-2025 से दिनांक 06-05-2025 तक डाला जाएगा जो तत्पश्चात दिनांक 08-05-2025 को ग्राम पंचायत कार्यलय पर अपराह्न 11बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। उक्त सभी आपूर्ति की जाने वाली सामाग्री वर्ष 2025/26तक मान्य होगी। वर्तमान समय मे उत्तर प्रदेश लोकनिर्माण विभाग विशिस्तियों के अनुसार परिमंडल गोण्डा द्वारा निर्धारित दरों के सापेक्ष की जायेगी। शेष नियम व शर्ते किसी भी समय ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

नियम व शर्ते -1- जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम हो उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा यदि आपूर्तिकर्ता द्वारा निर्धारित समय सीमा पर आपूर्ति नहीं किया जाता है तो ऐसी दसा में ग्राम पंचायत आपके आदेश निरस्त करते हुए वरीयता कम मे अन्य फर्मो को आपूर्ति आदेश देने के लिए स्वतन्त्र होगी।

2- फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो आयेकर देता हो की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है। विगत तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेंस संलग्न करना अनिवार्य है।

3- ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजूदगी में निविदा खेला जाएगा।

4- सामाग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकिर्त दरों से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।

5- जो दरें प्रस्तुत की जायें वह दरें जीएसटी तथा धुलाई,चढ़ाई, उतरवाई तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए।

6- सामाग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेगी।

7- प्रस्तुति दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक होनी चाहिए।

8- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीक/अवराभियांत द्वारा सामाग्री की गुणवत्ता की परमाणित होने तथा मापन के उपरांत ही किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा। टेंडर की प्रक्रिया निरस्त/अस्थगित करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

प्रधान **ज्ञानमती** — **सचिव** **छट्ठीराम यादव**

संक्षिप्त खबरें

पटेल नगर में पानी के पिछे वोट बैंक की राजनीति चल रही है जनता पानी के लिए दर दर भटक रही हैं टैंकर बहाली का इंतजार

नई दिल्ली पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र में पानी पर राजनीति करके नेता लोग अपनी नेता गिरी चमका रहे हैं जनता जल के लिए त्राहिमाम कर रही है टैंकर बहाली के इंतजार में जनता सभी को ज्ञात हो कि पिछले सप्ताह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1111 टैंकर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया लेकिन वह टैंकर पटेल नगर विधानसभा से पिछले पांच दिनों से लापता हो गए जल बोर्ड के अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सत्ता पक्ष के लोग जब फोन करेंगे तब पानी का टैंकर भेजा जाएगा यानी लोकतंत्र में जनता की कोई किमत नहीं है उधर टैंकर माफिया ठेकेदार अपनी हद जमाना चाहते हैं सत्ता पक्ष को इस बात का अंदाजा होना चाहिए कि टैंकर को हरी झंडी देने के बाद टैंकर हड़ताल पर चले गए जनता के द्वारा इसमें किसी बड़े नेता की सोची समझी साजिश बताई जा रही है 40 डिग्री टेंपरेचर में जनता को पानी के लिए तड़फा रहे हैं सत्ता पक्ष और स्थानीयविधयक को जनता की हाय लगेगी

मजदूर दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर आयोजित किया गया

शहडोल, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय श्री काशीनाथ सिंह एवं श्री श्रीकृष्णन बुखारिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल के निर्देशानुसार एवं श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, बुढ़ार की अध्यक्षता में दिनांक 01.05. 2025 मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में मजदूरों को उनके अधिकारों एवं उनके कार्यो के प्रति दायित्व बताया जाकर जागरूक किया गया। साथ ही यह भी बताया कि मजदूरों में कुशल मजदूर, अकुशल मजदूर की श्रेणी में किस तरह के मजदूर आते है, मजदूरों की बीमा, कलेक्ट्रेट दर की मजदूरी के संबंध में जागरूक किया। साथ विधिक साक्षरता/ जागरूकता शिविर आयोजन कर इसमें गरीब एवं निम्न तबके के लोगों को जिनकी आय उचित नहीं है, उनको किस तरह से विधिक सहायता उपलब्ध कराया जा सकता है, तत्संबंध में जानकारी दी गयी। उक्त शिविर की अध्यक्षता श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा फल वितरित कर की गयी। साथ ही अन्य न्यायिक अधिकारी श्री विजेन्द्र रावत न्यायिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ खण्ड, श्रीमती आकांक्षा तेकाम, न्यायिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ खण्ड, के द्वारा शिविर में उपस्थित होकर सहभागिता प्रदान की गयी।

बच्चों में पुस्तक वितरण

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर के वार्ड नं0 03 शक्ति नगर भरौली व कैथवलिया विद्यालय के बच्चों में गुरुवार को निः शुल्क वितरण का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कक्षा 6, 7, 8 के बच्चों में निशुल्क पुस्तक वितरण किया। उन्होंने बच्चों को लगन और मेहनत से पढ़ाई करने लिए कहा।इस दौरान सभासद प्रतिनिधि लालजी जायसवाल, प्रधानाध्यापक संजय पाण्डेय, अमन चौरसिया, शिवपत उपाध्याय, उत्तम शर्मा आदि मौजूद रहे।

बैंक से निकले व्यक्ति की जेब से उड़ाए 34 हजार रुपये

मथुरा। कस्बा राया में दो शातिर महिलाओं ने बैंक से रुपये निकाल कर ला रहे व्यक्ति की जेब से रुपये पार कर दिए। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गयी। बताया गया गांव आशा की गढ़ी निवासी गिर्राज सिंह गुरूवार को बैंक से 34 हजार रूपये निकाल कर हाथरस मथुरा मार्ग पर परचून की दुकान से सामान कुछ सामान खरीदने लगे। इस दौरान पीछे खड़ीं दो शातिर महिलाओं ने दुकानदार से चिप्स का पैकेट खरीदने के बहाने उनकी जेब में रखे 34 हजार रुपये पार कर दिए। पैसे चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गयी। पीड़ित ने घटना की सूचना थाना राया में दी। सूचना पर पहुची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिलाओं की तलाश शुरू की हैं।

गोंडा में जानलेवा हो रहे पुल- रेलिंग के अभाव में मौत को दावत, बरसात से पहले खतरे की घड़ी

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। जिले में विकास के नाम पर बने पुल अब लोगों की जान के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। कई स्थानों पर वर्षों पुराने पुलों पर रेलिंग तक मौजूद नहीं है। हालात इतने गंभीर हैं कि रोजमर्रा की आवाजाही में लोग जान जोखिम में डालकर इन पुलों को पार कर रहे हैं। अब जब बरसात का मौसम दस्तक देने को है, तो यह समस्या और विकराल रूप लेने वाली है। पानी के बहाव, सड़क पर फिसलन और कम दृश्यता के कारण बिना रेलिंग वाले पुल सीधे मौत की दहलीज़ बन सकते हैं।

हादसों की बढ़ती कड़ी- एक पुल, कई ज़िंदगियाँ खत्म

मंगल नगर से सिसई बीरपुर ,गेंधारिया को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर स्थित विसुही नदी पर बने पुल से पिछले साल बरसात एक साइकिल सवार की गिरकर मौत हो गई। जो बहराइच के ग्राम पंचायत मल्लोह निवासी विपुल मिश्रा की पहचान किया गया था। लेकिन पुल पर सुरक्षा रेलिंग का न होना प्रमुख कारण रहा। यह पुल वर्ष 1996 से सरयू ड्रेनेज खंड प्रथम, गोंडा के अधीन है, लेकिन अब तक इसकी कोई मरम्मत नहीं कराई गई।

जनता बेहाल, प्रशासन निढाल

पूर्व भाजपा जिला कार्यकारिणी समिति के सदस्य मलखान सिंह कोरी ने बताया कि रेलिंग की मरम्मत व निर्माण के लिए उन्होंने कई बार विभागीय अधिकारियों को पत्र सौंपे, लेकिन आज तक न कोई निरीक्षण हुआ, न कार्य प्रारंभ। "यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि जानबूझ कर की जा रही उपेक्षा है।

बरसात में और बढ़ेगा खतरा

स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जब सड़कें फिसलनभरी होंगी और नदी का जलस्तर बढ़ जाएगा, तब इन पुलों से गुजरना और भी खतरनाक हो जाएगा। खासतौर पर स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और दोपहिया वाहन चालकों के लिए ये पुल जानलेवा साबित हो सकते हैं।

अधिकारियों के सम्पर्क करने पर नहीं उठ रहे फोन

ड्रेनेज खंड के अधिक्षण अभियंता तथा अधिशासी अभियंता से सम्पर्क किया गया लेकिन फोन की घंटिया बजती रही लेकिन

कोई जबाब नहीं माला।

जनता की मांग - बरसात से पहले हो कार्रवाई

ग्रामीणों की साफ मांग है- जिले में जितने भी पुल बिना रेलिंग के हैं, उनकी त्वरित जांच कर मरम्मत की जाए। खासकर बरसात के मौसम के पहले सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में ऐसी और मौतें प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी बन जाएंगी।

निष्कर्ष

गोंडा जैसे जिले में जहां पुल गांवों को जोड़ने का एकमात्र ज़रिया हैं, वहां इनकी अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हो सकती। यह सिर्फ एक बुनियादी सुविधा नहीं, बल्कि आम जनता की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। उम्मीद की जानी चाहिए कि शासन-प्रशासन इस चेतावनी को गंभीरता से ले और समय रहते कदम उठाए।

दीपक गोदारा की IAS परीक्षा में सफलता पर दिल्ली देहात द्वारा भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली भरथल गाँव निवासी युवा दीपक गोदारा की संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा में 92वीं रैंक प्राप्त करने पर दिल्ली देहात के लोगों एवं जाट समाज द्वारा उनका भव्य अभिनंदन किया गया। यह कार्यक्रम बमरौली स्थित सुल्तान फार्म हाउस में आयोजित किया गया, जिसमें समाज के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया।दीपक गोदारा ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह प्रतिष्ठित उपलब्धि प्राप्त की है। उनकी इस सफलता से न केवल परिवार, बल्कि सम्पूर्ण समाज गौरवांवित हुआ है।इस अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता पूर्व विधायक श्री विजय लोचव ने की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम के चेयरमैन श्री रणबीर सिंह सोलंकी, पालम गांव 360 के प्रधान श्री सुरेंद्र सोलंकी, दादादेव प्रबंधन कमेटी (पालम 12 गांव) के नव-निर्वाचित प्रधान श्री ओमवीर सोलंकी, निगम पार्षद श्रीमती सुनीता रामनिवास, दिलबाग सोलंकी, तेजपाल नसीरपुर सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।सभी अतिथियों ने दीपक गोदारा को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर श्री सुरेंद्र सोलंकी ने कहा, ÷दीपक समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और वह प्रशासनिक सेवा के माध्यम से समाज का नाम रोशन करेंगे। वहीं श्री रणबीर सिंह सोलंकी ने अपने संबोधन में कहा दीपक जैसे युवा देश के कर्णधार हैं। उनकी तपस्या और लगन से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें विश्वास है कि वे पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन की दिशा में सकारात्मक योगदान देंगे।

आम आदमी पार्टी के सीनियर कार्यकर्ता निगम पार्षद अंकुश नारंग एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाएंगे

स्वतंत्र प्रभात

प्रदीप यादव

नई दिल्ली पटेल नगर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष का नाम फाइनल कर दिया है आम आदमी पार्टी के तरफ से अंकुश नारंग दिल्ली एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभाएंगे आम आदमी पार्टी ने इसकी जिम्मेदारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है आम आदमी पार्टी ने कहा की सूचित करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र से रंजीत नगर के वार्ड नंबर 87 से पार्षद अंकुश नारंग को दिल्ली नगर निगम में विपक्ष के नेता के रूप में चुना गया है अंकुश नारंग ने भी पत्र को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया और धन्यवाद कहा आम आदमी पार्टी ने अंकुश नारंग को राष्ट्रीय संयुक्त सचिव मुंबई प्रभारी के साथ-साथ जम्मू कश्मीर में सह प्रभारी पद पर सौंप रखा है अब एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाएंगे एमसीडी में अब भाजपा की सरकार है लिहाजा अंकुश नारंग को बतौर विपक्ष की आवाज बुलंद करनी होगी सभी को बता दें कि आम आदमी पार्टी ने एमसीडी में मेयर चुनाव से दूरी बना ली थी इसके चलते एमसीडी में भाजपा की एक तरफ जीत हो गई बीजेपी के राजा इकबाल सिंह ने मेयर पद पर और जय भगवान यादव ने डिप्टी मेयर पद पर जीत हासिल की है अब दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार है इसी के बीच अंकुश नारंग एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका जोरदार तरीके से निभाएंगे वही पटेल नगर विधानसभा में चौमुखी विकास के लिए पहचाने जाने वाले अंकुश नारंग प्रत्येक पटेल नगर वासियों के दिल पर सीधा राज करते हैं अंकुश नारंग के एक आवाज पर पूरा पटेल नगर विधानसभा अंकुश नारंग के साथ खड़ा हो जाता है इसी के प्रति अंकुश नारंग पटेल नगर के बेटा कहे जाते हैं आने वाले समय में देखने योग्य वाली बात होगी कि अंकुश नारंग नेता प्रतिपक्ष की भूमिका दिल्ली के एमसीडी में कैसे निभाते हैं फिलहाल में पटेल नगर की जनता को अंकुश नारंग पर भरपूर भरोसा है

उत्कृष्ट कार्य के लिए सीडीओ ने किया सम्मानित

मथुरा। जलागम विकास घटक प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के दूसरे चरण के अंतर्गत दिये गये कार्यो को योजनाबद्ध तरीके से गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने वाले कर्मचारियों को मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने अपने कार्यालय में सम्मानित किया। इस दौरान जिला कृषि अधिकारी अश्वनी कुमार भी मौजूद रहे। उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान पाने वालों में श्रीमती किरण चौधरी, अवर अभियंता संदीप कुमार, अवर अभियंता विक्रम सिंह, वरिष्ठ सहायक मनोज कुमार, वरिष्ट सहायक मनोज कुमार सिंह आदि थे। सभी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने बताया कि जनपद के बलदेव ब्लॉक में संचालित यह योजना क्षेत्रीय लोगों को रोजगार सृजन, जन संरक्षण, उत्पादन प्रणाली एवं प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने में सहायक होगी।

समस्तीपुर में तेज रफ्तार हाइवा ने महिला को कुचला! मौके पर हुई मौत, घायल बेटे की हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर में गुरुवार की सुबह सड़क हादसे में एक महिला की कुचलकर मौत हो गई। घटना विभूतिपुर थाना क्षेत्र के खोकसाहा गांव में संस्कृत विद्यालय के पास की है, जहां टोटो पर अपने बेटे के साथ सवार एक महिला टोटो से सड़क पर गयी। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें कुचल दिया। इस हादसे में महिला मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि उसका दो साल का बेटा घायल हो गया। मृतक महिला की पहचान विभूतिपुर पतैलिया पंचायत निवासी पंकज दास की पत्नी सृष्टि देवी के रूप में हुई है। वह अपने बेटे के इलाज के लिए टोटो पर सवार होकर दलसिंहसराय जा रही थीं। इसी दौरान संस्कृत विद्यालय के पास टोटो का अगला चक्का सड़क पर रखी ईंट से टकरा गया। वाहन बेकाबू हो पलट गया और सृष्टि नीचे गिर गई।

इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही अनियंत्रित हाइवा ने महिला को कुचल दिया। जिससे मौके पर ही महिला की मौत हो गयी और उसका बेटा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे स्थानीय लोगों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वहीं महिला की मौत से परिजनों में मातम छाया हुआ है। बताया गया है सृष्टि की शादी पांच साल पहले हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। उनके पति हरियाणा में मजदूरी करते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इस स्थान पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। सड़क किनारे निर्माण सामग्री का अव्यवस्थित ढंग से रखा गया। जिससे लोंगो को आने जाने में काफी परेशानी होती है। वहीं बालू और गिट्टी के ढेर और खराब सड़क हादसों का कारण बन रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इस जगह पर शीघ्र सड़क निर्माण कराने की मांग की है। इस मामले में विभूतिपुर थानाध्यक्ष आनंद कश्यप ने बताया कि सुचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। हाइवा को जब्त कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जारी है।

आतंकी हमले के मृतकों की आत्मशांति को तीर्थ पुरोहितों ने किया अनुष्ठान

मथुरा। गुरुवार को अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहितों महासंघ द्वारा पहलगांव हमले में मारे गए हिंदू पर्यटकों की आत्मशांति के लिए महानगर के लालगंज स्थित प्राचीन जागेंद्र नाथ महादेव मंदिर पर महंत आचार्य दीपक शास्त्री के निर्देशन में भगवान सदाशिव परिवार का पूजन संकल्प कर गंगाजल से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष रुद्राभिषेक कर भगवान महाकाल से इस्लामिक आतंकवाद में मारे गए हिन्दू पर्यटकों की आत्मा को सदगति प्रदान करने की कामना की। महासंघ के ब्रजमंडल महामंत्री यज्ञदत्त शास्त्री द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हुए कहा कि कब तक अपने ही देश में हिन्दू मरता रहेगा अब वक्त आ चुका है देश आपकी ओर विश्वास की आस लगाए बैठा है कि आतंवादियों और उनका पोषण करने वाले पाकिस्तान को हिंदुओं पर हमला करने से पहले सौ बार सोचना पड़ जाये। अभिषेक कर श्रद्धांजलि देने वालों में आचार्य लालजीभाई शास्त्री, पंडित अमित भारद्वाज, पंडित मुरारीलाल उपाध्याय गोपाल चतुर्वेदी पत्रकार नीरज चतुर्वेदी विकास तिवारी आदि थे।

जिलाधिकारी ने निमार्ण कार्य का किया निरीक्षण, गुणवत्ता ठीक न पाए जाने पर जताई नाराजगी

● डीएम ने जेई को प्रतिकूल प्रविष्ट देने का दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नौगढ़ के एडिशनल डारमेट्री का जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्धारा भवन के गुणवत्ता को चेक किया गया। बीम में हनी काम्बिंग पायी गयी। जिस पर जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने वर्तमान निर्माण में दो प्रतिशत कटौती करने का निर्देश दिया।शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत शोहरतगढ़ चेतिया मार्ग महमुदवा ग्रान्ट का जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा सड़क की लम्बाई व चौड़ाई को नापकर तथा सड़क को खुदवाकर देखा गया। गुणवत्ता मानक अनुरूप ठीक पाया गया। तथा विकास खण्ड शोहरतगढ़ के हाई स्कूल नीवी में स्वच्छ पेयजल की सुविधा, शौचालय, अतिरिक्त कक्षा-कक्ष,प्रयोगशाला, मल्टी परपज हाल एवं पुस्तकालय निर्माण कार्य का जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने निर्माण में प्रयोग हो रहे ईट की गुणवत्ता ठीक न पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए 10 प्रतिशत कटौती करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही शेष बचा हुआ कार्य समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के जे0ई0 निहाल को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया।

ग्रामीण क्षेत्र में खेल मैदान बनने से गांव में छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा- जगदंबिका पाल

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। किसान भाईयों के बच्चे खेल का प्रैक्टिस कर सकते हैं। प्रैक्टिस करके जिले का व देश का नाम रोशन करेंगे। इसके साथ ही साथ भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के प्रति संवेदनशील है। यह बातें सांसद जगदंबिका पाल ने कहीं। वह बुधवार को देर शाम बर्डपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत बर्डपुर न0 3 में सुभाष मॉडल पार्क 38.47 लाख की लागत से निर्मित खेल मैदान के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान बनाने से गांव में छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा।

इस अवसर पर विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि भारत सरकार /प्रदेश सरकार द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में खेल मैदान बनाने का कार्य कर रही है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद स्तर से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच सके। कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल आदि ने सम्बोधित किया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, जिला विकास अधिकारी गोपाल प्रसाद कुशवाहा, डीसी मनरेगा संदीप सिंह,

खण्ड विकास अधिकारी विजय सिंह, विनय श्रीवास्तव, मोहम्मद अजहर, अशुतोष, विशाल सिंह, मनोहर बरनवाल, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि निसार अहमद, ग्राम प्रधान मोमिना खातून, अंशिका पटेल, रेखा चौधरी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

अभूतपूर्व बंदः मथुरा ने महसूस किया लॉकडाउन वाला सन्नाटा

● दुकान बंद रहीं, ठेल ढकेल तक रहीं नदारद

बंद तो बहाना था आतंक के खिलाफ गुस्सा दिखाना था

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा बंद के दौरान बाजारों में पसरा सन्नाटा।

मथुरा। मथुरा ने एक बार फिर लॉकडाउन वाला सन्नाटा महसूस किया। हालांकि इस बार कोई किसी को टोक नहीं रहा था, नहीं पुलिसकर्मी बैरियर लगा कर रोक रहे थे। बावजूद इसके बाजारों में सन्नाटा पसरा था और लोग घरों से बाहर नहीं निकले। शायद उन्होंने घर बैठे ही अंदाजा लगा लिया था कि बाजार पूरी तरह बंद है और बाहर निकलने का कोई मतलब नहीं है। हालांकि शिक्षण संस्थाएं खुली, अगर कहीं चहल पहल थी तो वह स्कूल कॉलेज ही थे। बाकी सब सन्नाटे के आगोश में था। हालांकि दोपहर दो बजे बाद इक्का दुक्का खाने पीने की दुकानें खुली और देखा देखी दूसरी दुकानें भी शाम तक खुल गई, हालांकि तब तक मथुरा बंद का उद्देश्य पूर्णतः सफल हो गया था। इस बीच मथुरा ने राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण पेश किया। सन्नाटे के बीच मथुरा ने बंद के कुछ घंटों में राष्ट्रीय भावनाओं की मूक अभिव्यक्ति की गूंज महसूस की। शाम को लोग यह चर्चा करते दिखे कि इस तरह का सफल बंद उन्होंने अपने जीवन में नहीं देखा। चर्चा करने वालों में हर उम्र के लोग शामिल थे। अभी तक यह देखा गया था कि असरदार करे जाने वाले बंद का असर भी होलीगेट के आसपास के बाजारों की दुकानों के गिरे हुए शटरों से आंका जाता था। पहलगांव में हुई आतंकी घटना के विरोध में गुरुवार को बंद के आह्वान का असर समूचे मथुरा शहर में एकरूपता से देखने को मिला। शहर के बाहरे इलाकों में भी दुकानें पूरी तरह से बंद थीं। इस बार न कोई झंडा लेकर और नहीं कोई डंडा लेकर बाजार बंद कराने निकला था। न युवाओं की टोलियां ही बाजार में नारेबाजी करते हुए घूम रहीं थीं। यह राष्ट्रीय भावनाओं से लबरेज बंद था जिसे लम्बे समय तक मथुरा याद रखेगा। विश्व हिंदू परिषद के आव्हान पर व्यापारी संगठन, बार एसोसिएशन, होटल एसोसिएशन आदि ने भी इस बंद का समर्थन किया। यह एक तरह से संयुक्त आह्वान और मूक समर्थन था जिसका असर बंद वाले दिन दिखा।

रजिस्ट्री कार्यालय में नहीं हुआ काम, बार भी समर्थन में रहा

मथुरा बार एसोसिएशन के सचिव शिवकुमार लवानिया ने डीजे, डीएम, प्रधान परिवार न्यायाधीश, पीठासीन अधिकारी एमएसीटी व जिला उपभोक्ता फोरम को भेज पत्र में कहा है कि 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर स्थित पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा भीवत्स नरसंहार के विरोध में संपूर्ण भारत बंद का आवाहन किया गया है। जिसके कारण अधिवक्तागण एवं वादकारीगण न्यायालय आने में असमर्थ हैं। इन सभी हालात को देखते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा एडवोकेट के निर्देशानुसार समस्त अधिवक्तागण आज पूर्ण दिवस न्यायिक कार्य से विरक्त रहे। इसके चलते गुरुवार को जिला न्यायालय में वकीलों ने कोई काम नहीं कर अपना विरोध प्रदर्शित किया। रजिस्ट्री कार्यालय में भी दस्तावेज लेखकों ने घटना के विरोध में आज रजिस्ट्री ऑफिस के बाहर गेट पर ताला लगा दिया। इसके चलते कोई भी रजिस्ट्री कराने के लिए कार्यालय पर नहीं आया। दस्तावेज लेखक निबंधन समिति के अध्यक्ष सुरेश चौधरी, संरक्षक सोहनलाल शर्मा, सचिव केके चौधरी, उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक एड, प्रेम सिंह, द्वारकाप्रसाद, शर्मा, कोषाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी ने इस घटना के विरोध में रजिस्ट्री कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए मथुरा बंद का समर्थन किया। इस बंद के चलते सिविल लाइन्स क्षेत्र में पुलिस लाइन, जिला न्यायालय परिसर के बाहर वाले रोड पर जाम जैसे हालात नजर नहीं आए।

देहात में बंद का बेअसर रहा

महानगर में जहां बंद अभूतपूर्व रहा वहीं देहात में बंद का असर नहीं दिखा। कोसीकला, गोवर्धन, राया, वृंदावन आदि बाजार और कस्बों में बंद को लेकर लोगों में चर्चा तो रही लेकिन दुकान और प्रतिष्ठान विधवत खुले। राया में हमेशा की तरह बाजार में प्रतिष्ठान खुले रहे और सड़कों पर लोगों की चहल-पहल रही। निजी स्कूल, अस्पताल अन्य संस्थान भी खुले रहे। सभी प्रतिष्ठानों, कैबिनों पर व्यवसाय चालू होने के साथ यात्रियों ने भी रोजाना की तरह बसों, टैक्सियों ऑटो रिक्शाओं में आवागमन किया।

जिला अस्पताल में पैथोलॉजी की छत का का हिस्सा गिरा

● टाइल्स लगने से सीनियर पैथोलॉजिस्ट हुआ घालय

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। जिला अस्पताल में पैथोलॉजी लैब कक्ष की छत का प्लास्टर गुरुवार की दोपहर में गिर गया। सीनियर पैथोलॉजिस्ट इसमें घायल हो गये। पैथोलॉजी में कार्यरत कर्मचारियों ने इस पर नाराजगी जताई है। कर्मचारियों का कहना है कि करीब छह महीने पहले इस कक्ष में कार्य हुआ था। जिस समय कार्य किया जा रहा था उसी समय यह बताया गया कि कार्य संतोषजनक नहीं किया जा रहा है। छह महीने भी नहीं हुए कि छत पर लगाई गई सीलिंग गिर गई है। हालांकि गनीमत रही कि जिस समय घटना हुई कोई मरीज लैब में नहीं थी। मरीज होते तो उन्हें भी चोट लग सकती थी। टायल्स गिरने से अफरा तफरी मच गई। सीनियर पैथोलॉजिस्ट के घायल होने की सूचना पर चिकित्सक और अस्पताल प्रशासन के लोग मौके पर पहुंच गए। हादसे में घायल सीनियर पैथोलॉजिस्ट आरके चूड़ामणि का हालचाल जाना। आरके चूड़ामणि ने घटना पर नाराजगी जताई और कहा कि आदसा बडा हो सकता था। मरीज लैब में नहीं थे यह अच्छा रहा। उन्हें भी चोट लग सकती थी। उन्होंने कहा कि यह बताए जाने के बाद भी कि लैब कक्ष में ठीक से काम नहीं हुआ है और वह अन्य कर्मियों के साथ काम करते समय असुरक्षित महसूस करते हैं उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अब इस ओर ध्यान दिया जाएगा। काम कराने वाली फर्म के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। इस घटना को लेकर सीएमएस की अनुपस्थित में डा. अमन सक्सेना ने बताया कि पैथोलॉजी लैब की छत गिरने से स्वास्थ्यकर्मी घायल हुए हैं। छह माह पूर्व लैंब में ऐजिंग का काम हुआ था जो घटना हुई है इस की जांच कराई जाएगी।

सीनियर पैथोलॉजिस्ट के सिर में लगी चोट।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस भट्ठा मजदूरों को किया गया जागरूक

श्रम कार्यालय के अधिकारियों ने श्रमिकों से किया सीधा संवाद

मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस की अवसर पर श्रम विभाग एवं समाजसेवी संस्थाओं के द्वारा ईट भट्ठा मजदूरों को उनके हित में विभिन्न श्रम कानून की जानकारी देकर जागरूक किया गया इसी के साथ उन्हें उनके अधिकारों के बारे में बताया गया तथा कार्य स्थल पर मालिकों के द्वारा कौन-कौन सी आवश्यक सुविधाएं दी जानी चाहिए इसके लिए भी उन्हें अवगत कराया गया। सहायक श्रम आयुक्त एमएल पाल ने उपस्थित विभिन्न ईट भट्ठों पर कार्य करने वाले मजदूरों को संबोधित करते हुए बताया मजदूरों को उनका हक दिलवाने के लिए दर्जनों भर श्रम कानून देशभर में लागू है यदि कोई सेवायोजक किसी मजदूर को निर्धारित समय से अधिक कार्य करवाता है तो उसका अतिरिक्त पैसा दिया जाने का प्रावधान है कोई मालिक मजदूर को पैसा नहीं देता है उसके लिए भी कानून में व्यवस्था है मौसम के अनुकूल जीवन उपयोगी वस्तुओं का प्रबंधन भी मालिकों के द्वारा किया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर एसपी पाण्डेय श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा भीषण गर्मी से बचाव के बारे में सावधानी बरतने व बचाव के उपाय बताए गये। कार्यक्रम आयोजन में स्वयं सेवी संगठन सीईसी एवं जनसाहस सस्था द्वारा सहयोग किया गया। इस अवसर पर नीलम श्रम प्रवर्तन अधिकारी, श्रीमती लोकेश, आलोक रंजन, ललित नरेंद्र कुमार एवं आलोक के अलावा भारी संख्या में महिला पुरुष मजदूर उपस्थित रहे।